सान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 02 | अंक - 250 | जौनपुर, गुरूवार, 06 जून 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

यूपी के परिणाम हमारी उम्मीद के विपरीत, समीक्षा करेंगे

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में भाजपा गठबंधन को लगे अप्रत्याशित झटके पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि प्रदेश में परिणाम अपेक्षा के अनुरूप नहीं आए। लोकतांत्रिक दल के नाते आपस में बैठकर परिणामों की समीक्षा की जाएगी। विजयी प्रत्याशियों को बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि देश के इति हास में ये अभूतपूर्व अवसर है। मीडिया से रूबरू चौधरी ने कहा कि जनता ने नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए गठबंधन को तीसरी बार सरकार बनाने का अवसर दिया है। पूर्ण बहुमत के लिए आवश्यक सीटों से अधिक जिताकर जनता ने अपना समर्थन और आशीर्वाद दिया है। भाजपा अध्यक्ष ने एनडीए को अपना समर्थन और वोट देने के लिए सभी मतदाताओं का आभार जताया। उन्होंने शांतिपूर्ण चुनाव के लिए चुनाव आयोग और प्रशासन का आभार जताया। आगे की योजना पर बोले कि विकसित भारत के लक्ष्य और गरीब कल्याण की योजनाओं के आधार पर आगे बढ़ेंगे। वर्ष 2047 में भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का सपना साकार करने का लक्ष्य है, जिसे पूरा करेंगे।

लोग समझ गये हैं कि भाजपा के हाथों में उत्तर प्रदेश आगे नहीं बढ़ सकता – डिम्पल यादव

इटावा, संवाददाता। समाजवादी पार्टी (सपा) के मुखिया अखिलेश यादव की पत्नी और मैनपुरी से पार्टी सांसद डिम्पल यादव ने बुधवार को कहा कि लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश से आये परिणामों से जाहिर है कि लोग समझ चुके हैं कि भाजपा के हाथों में प्रदेश आगे नहीं बढ़ सकता। डिम्पल ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनाव के नतीजों पर कहा, लोगों ने भारतीय जनता पार्टी को नकार दिया है। उन्होंने कहा, चुनाव में रोजगार का मुद्दा था, किसानों का मुद्दा था, महंगाई और बिजली का मुद्दा था। पूरे प्रदेश में कोई भी विकास कार्य नहीं हो पा रहा है। मुख्यमंत्री की कोई दूरगामी सोच नहीं है। लोग समझ चुके हैं कि भारतीय जनता पार्टी के हाथों में प्रदेश आगे नहीं बढ़ सकता है। केन्द्र में विपक्षी 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस (इंडिया)' की सरकार बनने की सम्भावना से जुड़े सवाल पर सपा सांसद ने कहा, मैं समझती हूं कि इंडिया गठबंधन बहुत ही मजबूत स्थिति में है। गठबंधन का प्रदर्शन बहुत अच्छा रहा है। अब यह नेताओं पर निर्भर करता है कि वह किस तरह का तालमेल बैठा लेते हैं।'' नरेन्द्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनेंगे, डिम्पल ने कहा, मैं इस बारे में कुछ कह नहीं सकती हूं क्योंकि यह समय ही बता पाएगा।

इंडिया ब्लाक में सभी राजनीतिक दलों का स्वागत – मल्लिकार्जुन

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष के आवास पर इंडिया गठबंधन के नेताओं ने बैठक कर लोकसभा चुनाव के परिणाम और आगामी रणनीति पर चर्चा हुई। मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि हम एक साथ लड़े, तालमेल से लड़े और पूरी ताकध्त से लड़े। आप सबको बधाई! 18वीं लोक सभा चुनाव का जनमत सीधे तौर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खध्लिाफ है। चुनाव उनके नाम और चेहरे पर लड़ा गया था और जनता ने भाजपा को बहुमत ना देकर उनके नेतृत्व के प्रति साफ संदेश दिया है। व्यक्तिगत रूप से मोदीजी के लिये यह ना सिर्फ राजनैतिक शिकस्त है, बल्कि नैतिक हार भी है। परन्तु हम सब उनकी आदतों से वाकध्फि हैं। वो इस जनमत को नकारने की हर संभव कोशिश करेंगे। हम यहाँ से यह भी संदेश देते हैं कि इंडिया गठबंधन उन सभी राजनीतिक दलों का स्वागत करता है जो भारत के संविधान के प्रस्तावना में अटूट विश्वास रखते है और इसके आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक न्याय के उद्देश्यों से प्रतिबद्ध है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को बीजेपी के खिलाफ एकजुट होकर लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए इंडिया ब्लॉक के सभी सहयोगियों को धन्यवाद दिया और कहा कि विपक्षी गठबंधन उन सभी पार्टियों का स्वागत करता है।

राशन की कालाबाजारी में योगी सरकार का सख्त एक्शन

लखनऊ, संवाददाता। यूपी के बुलन्दशहर में भारतीय खाद्य निगम के गोदाम से राशन की कालाबाजारी और दुरुपयोग के मामले में प्रदेश सरकार के खाद्य एवं रसद विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। मामले की जांच में दोषी पाए गए जनपद के विपणन निरीक्षक और ठेकेदार समेत कुल 7 लोगों के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया गया है तो वहीं विपणन निरीक्षक, पूर्ति निरीक्षक तथा जिला खाद्य विपणन अधिकारी को निलम्बित किया गया है तो शासन द्वारा जिलापूर्ति अधिकारी, बुलन्दशहर को भी निलम्बित कर दिया गया है। इसके साथ ही कई अन्य कर्मचारियों व अधिकारियों पर विभागीय कार्रवाई की गई है।

परिवहन ठेकेदार के खिलाफ एफआईआर

खाद्य एवं रसद विभाग के आयुक्त सौरभ बाबू ने बताया कि बुलन्दशहर में भारतीय खाद्य निगम के गोदाम से राशन की कालाबाजारी की सूचना पर शिकायत की जांच जिलाधिकारी, बुलन्दशहर द्वारा अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा की गई। समिति की जांच में जनपद के सदर ब्लाक में सिंगल स्टेज परिवहन व्यवस्था में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के सरकारी खाद्यान्न की कालाबाजारी व दुरूपयोग पाया गया। हैण्डलिंग परिवहन ठेकेदार रविन्द्र सिंह, सुधीर कुमार, विपणन निरीक्षक बुलन्दशहर, अंकुर सिंह, शिवकुमार उर्फ शिब्बु लेबर मेट, वकील खां, पिंकी, पवन द्वारा सरकारी खाद्यान्न की कालाबाजारी, दुर्विनियोजन एवं दुरूपयोग किए जाने के लिए इन सभी के विरूद्ध

भारतीय दण्ड संहिता, आवश्यक वस्तु अधिनियम–1955 की धारा 3/7 एवं अन्य सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कराया गया है। उन्होंने बताया कि मामले की जांच के लिए मुख्यालय से अपर आयुक्त (स्थापना) की अध्यक्षता में 3 सदस्यीय जांच समिति का गठन किया गया था। समिति द्वारा मौके पर जाकर जांच की गई जिसमें पाया गया कि सिंगल स्टेज डोर स्टेप डिलीवरी व्यवस्था सम्बन्धी शासनादेश तथा अन्य संबन्धित निर्देशों के सुसंगत प्राविधानों का क्रियान्वयन तथा पर्यवेक्षणीय दायित्वों का निर्वहन सम्बन्धित अधिकारियों एवं कर्मचारियों, परिवहन ठेकेदार आदि द्वारा नहीं किया गया है। विपणन निरीक्षक सुधीर कुमार तथा पूर्ति निरीक्षक विवेक श्रीवास्तव तथा जिला खाद्य विपणन अधिकारी जिया अहमद करीम को निलम्बित करते हुए विभागीय कार्रवाई की गई तथा शासन द्वारा सुनील सिंह, जिलापूर्ति अधिकारी, बुलन्दशहर को निलम्बित करते हुए विभागीय कार्रवाई की गई है।

नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बनेगी एनडीए सरकार - अमित शाह

नई दिल्ली, एजेंसी। भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने बुधवार को प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी को अपना नेता चुना, जिससे उनके लिए रिकॉर्ड तीसरी बार पीएम के रूप में लौटने का मंच तैयार हो गया। गठबंधन नेताओं ने सरकार के गठन पर विवरण पर चर्चा करने के लिए प्रधान मंत्री के आवास पर एक महत्वपूर्ण बैठक की। इस बैठक के बाद अमित शाह ने ट्वीट कर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को सर्वसम्मति से एनडीए का नेता चुने जाने पर बधाई। पिछले 10 वर्ष मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में बड़े पैमाने पर विकास और कल्याण के युग के रूप में सामने आए हैं। एनडीए नई ताकत और गति के साथ देश और उसके लोगों की सेवा करने के लिए दृढ़ता से प्रतिबद्ध है। एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि दिल्ली में पीएम मोदी के आवास 7, एलकेएम पर एनडीए नेताओं की बैठक के दौरान सभी नेताओं ने पीएम मोदी को उनके नेतृत्व और उनके नेतृत्व में हमारे देश ने जो

प्रगति की है, उसके लिए बधाई दी। उन्होंने राष्ट्र निर्माण में पीएम मोदी की कड़ी मेहनत और प्रयासों की सराहना की। एनडीए सहयोगियों ने कहा कि पीएम मोदी के पास विकसित भारत के लिए एक स्पष्ट दृष्टिकोण है। उन्होंने दुनिया में भारत का गौरव बढ़ाने में पीएम मोदी की भूमिका की सराहना की. एनडीए नेताओं ने गरीबी उन्मूलन की दिशा में पीएम मोदी के प्रयासों की सराहना की और अच्छे काम जारी रखने का संकल्प लिया। पीएम मोदी ने कहा कि यह लगातार तीसरी सरकार के लिए ऐतिहासिक जनादेश है जो भारत में आखिरी बार 60 साल पहले मिला था। प्रधानमंत्री आवास पर एनडीए सहयोगियों की बैठक में बिहार के सीएम और जेडीयू प्रमुख नीतीश कुमार, तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के चंद्रबाबू नायडू, लोक जनशक्ति पार्टी (एलजेपी) के चिराग पासवान, राष्ट्रीय लोक दल (आरएलडी) के जयंत चौधरी, एचडी कुमारस्वामी, जीतन राम मांझी, अनुप्रिया पटेल, एकनाथ शिंदे के अलावा भाजपा के शीर्ष नेतृत्व में अमित शाह, राजनाथ सिंह, जेपी नड्डा और अन्य शामिल हैं। 7 जून को एनडीए सांसदों के साथ बैठक के बाद एनडीए के सहयोगी दल राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिलेंगे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा मिलकर सहयोगी दलों के साथ सरकार गठन पर चर्चा करेंगे। जदयू सांसद संजय कुमार झा ने कहा कि पीएम आवास पर एनडीए की बैठक हुई, जिसमें सीएम (नीतीश कुमार) भी शामिल हुए।

हमने अच्छा काम किया है और करते रहेंगे – पीएम मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को निवर्तमान केंद्रीय मंत्रिमंडल से कहा कि नेताओं को राजनीतिक संख्या के खेल के बावजूद देश और उसके नागरिकों के लिए काम करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि संख्याओं का खेल चलता रहेगा। आप राष्ट्र और समाज के लिए काम करते रहें। मोदी ने साफ तौर पर कहा कि 10 साल तक अच्छा काम किया गया है। इसे आगे ले जाना होगा। उन्होंने कहा कि हार–जीत राजनीति का हिस्सा है। मोदी अपने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) द्वारा लोकसभा चुनाव में 543 में से 292 सीटें जीतने के एक दिन बाद बोल रहे थे, जो बहुमत के आंकड़े से 19 अधिक है। उनकी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपने दम पर 240 सीटें हासिल कीं। मोदी पहले बुधवार को पीएम और उनके केंद्रीय कैबिनेट मंत्री अपना इस्तीफा सौंपने राष्ट्रपति भवन गए थे। बाद

सप्ताहांत में रिकॉर्ड तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ले सकते हैं और एनडीए सरकार बनाने के लिए तैयार दिख रहा है। इससे में, तेलुगु देशम पार्टी के चंद्रबाबू नायडू और जनता दल (यूनाइटेड) के नीतीश कुमार सहित एनडीए के सहयोगी दोपहर में मिलेंगे।

मैं हार की जिम्मेदारी लेता हूं, डिप्टी सीएम फडणवीस ने की इस्तीफे की पेशकश

मुंबई, एजेसी। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने राज्य में पार्टी के खराब प्रदर्शन की जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफे की पेशकश कर दी है। फडणवीस ने कहा कि श्मैं

महाराष्ट्र में ऐसे नतीजों की जिम्मेदारी लेता हूं क्योंकि राज्य में पार्टी का नेतृत्व मेरे द्वारा ही किया जा रहा था। भाजपा आलाकमान से विनती करता हूं कि वे मुझे सरकार में जिम्मेदारी से मुक्त करें ताकि मैं आने वाले चुनाव में पार्टी के लिए ज्यादा से ज्यादा मेहनत कर सकूं।श हालांकि अभी तक ये स्पष्ट नहीं हुआ है कि उनका इस्तीफा स्वीकार हुआ है या नहीं। गौरतलब है कि महाराष्ट्र में भाजपा का प्रदर्शन खराब रहा और पिछले चुनाव में 23 सीटें जीतने वाली भाजपा इस बार 9 सीटों पर सिमट गई।

देवेंद्र फडणवीस के इस्तीफे की पेशकश पर शिवसेना यूबीटी की नेता सुषमा अंधारे ने कहा कि श्देवेंद्र जी एक सम्मानित तरीके से विदाई चाहते हैं। महाराष्ट्र भाजपा के अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले और देवेंद्र फडणवीस के बीच कल बैठक हुई थी और मुझे पता चला कि उस बैठक में दोनों के बीच पार्टी की हार पर चर्चा हुई थी। चंद्रशेखर बावनकुले भी इस्तीफा दे सकते हैं। पार्टी दोनों के खिलाफ कार्रवाई कर सकती है, लेकिन वे एक सुरक्षित स्टैंड लेकर अपनी विदाई चाहते हैं। लोकसभा चुनाव में भाजपा को जिन राज्यों में सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है।

लोकसभा के नतीजे भाजपा की नीतियों के खिलाफ एक कड़ा संदेश - सचिन पायलट

राजस्थान, एजेसी। कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने लोकसभा के नतीजों, कांग्रेस के प्रदर्शन और कई मुद्दों पर बात की। लोकसभा के नतीजों पर, मुझे लगता है कि कल के नतीजे एक मजबूत संदेश लेकर आए हैं कि यह भाजपा द्वारा तय किए गए कथानक के खिलाफ थे। यह भाजपा द्वारा अपने लिए तय किए गए लक्ष्यों के खिलाफ थे। और कांग्रेस पार्टी, भारत गठबंधन ने देश के अधिकांश हिस्सों में उल्लेखनीय रूप से अच्छा प्रदर्शन किया है। और विशेष रूप से राजस्थान में, पिछली बार हमें कोई सीट नहीं मिली थी। और अब हमारे और सहयोगियों के खाते में 11 सीटें हैं। और मुझे लगता है कि इसका श्रेय वास्तव में पार्टी के नेतृत्व और पार्टी कार्यकर्ताओं को जाता है। चुनाव से सबसे बड़ी बात यह है कि यह भाजपा सरकार के खिलाफ वोट है। उनकी संख्या में तेजी से गिरावट आई है, और

किसी भी पार्टी को सरकार बनाने का जनादेश नहीं दिया गया है। भविष्य में क्या होगा, मुझे नहीं पता, लेकिन यह एक गठबंधन सरकार होगी। दूसरा, कांग्रेस पार्टी और भारत गठबंधन दलों ने अपनी सीटों में उल्लेखनीय सुधार किया है, और उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, राजस्थान, हरियाणा में भाजपा की सीटें बहुत कम हो गई हैं। राजस्थान में, कांग्रेस पार्टी और सहयोगियों ने 11 सीटें जीती हैं। यह जयपुर और दिल्ली दोनों जगह डबल इंजन वाली सरकार की विफलता का भी प्रतिबिंब है। और राजस्थान में, हम बेहतर उम्मीदवारों का चयन करने में सक्षम थे। हमारा नैरेटिव बेहतर था। मुद्दे उठाए, उनकी बहुत सराहना हुई। और मेरे विचार से, राजस्थान के लोगों ने भी महसूस किया कि कृषि संकट, अग्निवीर के मुद्दे, मुद्रास्फीति, बेरोजगारी, महत्वपूर्ण मुद्दे थे। और उन्होंने उस पार्टी को वोट दिया जिसने इन मुद्दों का समर्थन किया, जो कांग्रेस पार्टी है। भाजपा ने हिंदू और मुस्लिम और मस्जिद और मंदिर और मंगलसूत्र के बारे में बात करके ध्रुवीकरण करने की पूरी कोशिश की। यह भी भाजपा के खिलाफ काम किया।

बीजेपी सरकार में बेरोजगरी, महंगाई चरम पर – वी चिदंबरम

नई दिल्ली, एजेसी। पूर्व केंद्रीय मंत्री पी चिदंबरम ने लोकसभा चुनाव के रिजल्ट के बाद कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सत्ता में बने रहने का अधिकार खो दिया है। इसलिए उन्हें नैतिकता के आधार पर खुद ही स्तीफा दे देना चाहिए। भाजपा पर जमकर निशाना साधते हुए चिदंबरम ने कहा, मोदी सरकार बरोजगारी और महंगाई को कम करने में नाकाम रही है।

बहुमत के आंकडे से भाजपा 32 सीटें दूर रही

लोकसभा चुनाव 2024 में भाजपा को कुल 240 सीट मिलीं, जो कि बहुतम के आंकड़े 272 से 32 सीटें दूर है। हालांकि चुनाव परिणाम के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आश्वस्त किया कि भाजपा लगातार तीसरी बार सरकार बनाने जा रही है। लेकिन भाजपा को सरकार बनाने के लिए जेडीयू प्रमुख नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू की तेलगू देशम पार्टी पर निर्भर रहना होगा।

'भाजपा ने खुद के लिए 370 का लक्ष्य रखा और 240 सीटें

चिदंबरम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, मोदी के नेतृत्व वाली सरकार को अब सत्ता छोड़ देनी चाहिए। पिछली बार भाजपा ने 303 सीटें जीती थीं और इस बार 370 सीटें जीतने का दावा किया था लेकिन पार्टी 240 के आसपास ही सिमट गई।

मोदी सरकार ने लोगों के दो सबसे बड़े मुद्दे बेरोजगारी और महंगाई को स्वीकार नहीं किया। मोदी सरकार में बेरोजगारी और महंगाई दोनों चरम पर हैं।

आंधी पानी के बावजूद भी लोगो को गर्मी से नहीं मिली राहत

अयोध्या। गुरुवार को आंधी व पानी के बावजूद भी शहरवासियों को दिन में गर्मी से राहत नहीं मिलती हुई दिखाई दे रही थी।सुबह को कुछ मौसम सुहावना दिखाई दे रहा था वही दोपहर में तेज धूप के चलते गर्मी चरम सीमा पर पहुंच गई थी।जिसके चलते बाहर निकलने वाले लोग धूप से बचते हुए दिखाई दे रहे थे। गर्मी से निजात पाने वाले लोगों की भीड़ बेल, नींबू पानी, शिकंजी, गन्ने के रस सहित अन्य पेयजलो की ठेलों पर भारी संख्या में लोग दिखाई दे रहे थे।वही रेस्टोरेंट पर मौजूद भारी संख्या में लोग लस्सी, छाछ, शीतल पेय पदार्थों का सेवन करते हुये दिखाई दे रहे थे। बताते चलें कि जहां एक ओर लोगों की भीड़ इन दुकानों पर दिखाई दे रही थी वही इसके विपरीत समोसे,जंक फूड, सहित अन्य दुकानों पर लोगों की भीड़ न के बराबर दिखाई दे रही थी।मालूम हो कि सुबह आंधी व पानी ने लोगों को दिन में गर्मी से निजात नहीं दिला सकी। गुरुवार को दोपहर में तेज

धूप के चलते लोग अपने आपको जहां एक ओर छाता,टोपी व फुल आस्तीन की कपड़ों से ढके हुए थे वहीं महिलाएं व लड़कियां धूप से बचने के लिए दुपट्टे आदि का प्रयोग किया था। शहर के चौक, रिकाबगंज, गुदड़ी बाजार, फतेहगंज, नाका, रीडगंज, साहबगंज, सिविल लाइन, रेलवे स्टेशन, रोडवेज बस स्टेशन अयोध्या, सुभाषनगर,नियांवा सहित कई प्रमुख मार्गों व चौराहों पर लोग दिन में तेज धूप के चलते परेशान दिखाई दे रहे थे।

हार की समीक्षा की जाएगी, हरियाणा में भाजपा की सीटें कम

हरियाणा, एजेसी। लोकसभा चुनाव के परिणाम अब सामने आ चुके हैं। हरियाणा की अगर हम बात करें तो यहां की दस में से पांच सीटों पर भाजपा और पांच सीटों पर कांग्रेस ने जीत दर्ज की है। हालांकि, भाजपा नेता, प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और करनाल लोकसभा सीट से प्रत्याशी मनोहर लाल की ओर से लगातार प्रदेश की सभी दस सीटों पर जीत का दावा किया जा रहा था। भाजपा की सीट कम होने पर अब प्रदेश के पूर्व सीएम मनोहर लाल का बयान सामने आया है। मनोहर लाल ने कहा कि जाहिर है कि जितना लक्ष्य निर्धारित किया था, उतना हासिल नहीं कर पाए, फिर भी जो परिणाम आए हैं उसे हम स्वीकार करते हैं। हार की वजहों की समीक्षा की जाएगी, प्रत्याशी की ओर से कमी रही हो या फिर पार्टी की ओर से या जनता की हमसे जो उम्मीदें थे, उसमें कोई कमी रह गई हो। इन सभी बातों पर समीक्षा की जाएगी और कमी दूर की जाएगी। राहुल गांधी के इंडी गठबंधन की जीत के दावे पर उन्होंने कहा कि वह जीत नहीं पाए हैं। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में तीसरी बार सरकार बनने जा रही है। कांग्रेस नेताओं ने गलत बयानबाजी कर जनता को भ्रमित करने का काम किया। उन्होंने कहा कि बिना किसी विवाद के चुनाव पूरा हुआ, उसके लिए प्रदेश की जनता, संस्थाओं और चुनाव आयोग का आभार। लोकसभा चुनाव के परिणाम सामने आने के बाद अब सरकार बनाने की कवायद तेज हो चुकी है।

संपादकीय

एक स्पष्ट संदेश

अपने चुनावी भाषण के दौरान प्रधानमंत्री ने पहली बार दावा किया था कि अगर विपक्षी दल आम चुनाव जीतते हैं तो वे हिंदुओं के मंगलसूत्र समेत सारी संपत्ति उन लोगों को दे देंगे जिनके ज्यादा बच्चे हैं। यह भारतीय मुसलमानों के खिलाफ एक छिपा हुआ आरोप था। खुद प्रधानमंत्री के इस भाषण ने ज्यादातर पर्यवेक्षकों को चौंका दिया था। भारत के चुनाव आयोग ने कुछ नहीं किया। बाद में उसने अपनी उदारता को चुनाव आयोग द्वारा "दोनों पार्टियों के शीर्ष दो लोगों" को "नहीं छूने" के निर्णय के रूप में समझाया। चुनाव आयोग ने भले ही अपने कर्तव्य से मुंह मोड़ लिया हो, लेकिन ठंदूंतं के मतदाताओं ने ऐसा नहीं किया। उन्होंने आदिवासी पार्टी, भारत आदिवासी पार्टी, जो कि इंडिया ब्लॉक का हिस्सा है, के उम्मीदवार को चुनकर भाजपा को भारी अंतर से हराया। मोदी के गृह राज्य गुजरात के बनासकांठा में उन्होंने मतदाताओं को धमकी दी थी कि अगर उन्होंने कांग्रेस को सत्ता में लाया तो वह उनकी दो भैंसों में से एक को ले जाएगी। यहां कांग्रेस उम्मीदवार गेनीबेन ठाकोर ने अजेय बढ़त हासिल की और आखिरकार सीट जीत ली। 2009 के बाद गुजरात में किसी भी लोकसभा सीट पर भाजपा की यह पहली हार थी। इन चुनावों के दौरान मोदी का अभियान न तो पिछले 10 सालों के उनके रिकॉर्ड के बारे में था और न ही अगले पांच सालों के लिए किसी वादे के बारे में। यह मुस्लिम विरोधी जहर से भरा था और निचली जाति के हिंदुओं में यह डर पैदा करने की कोशिश की गई थी कि अगर विपक्षी दल सत्ता में आए तो उनके संवैधानिक लाभ और संपत्ति मुसलमानों को दे दी जाएगी। 1992 में हिंदुत्व के पैदल सैनिकों द्वारा ध्वस्त की गई बाबरी मस्जिद के स्थल पर राम मंदिर के निर्माण और मुस्लिम बहुल कश्मीर के प्रति अत्याचारी, सुरक्षा–केंद्रित दृष्टिकोण के साथ इस कथा से भाजपा को भरपूर लाभ मिलने की उम्मीद थी। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। सत्तारूढ़ गठबंधन के लिए 400 से अधिक सीटें और भाजपा के लिए 370 सीटों के नारे पर प्रचार करते हुए, मोदी की पार्टी ने बहुत कम जनादेश हासिल किया है। जब मैं यह लिख रहा हूँ, तब भी भाजपा अपने दम पर बहुमत से दूर है और इसलिए सरकार बनाने के लिए दो अस्थिर सहयोगियों – नीतीश कुमार की जनता दल (यूनाइटेड) और चंद्रबाबू नायडू की तेलुगु देशम पार्टी – पर निर्भर है। जब से मोदी 2001 में पहली बार गुजरात के मुख्यमंत्री बने हैं, तब से भाजपा उनके नेतृत्व में हुए चुनावों में अपने दम पर भारी बहुमत पाने में कभी विफल नहीं हुई है। यह लोकसभा चुनाव एक अपवाद है। इसलिए यह सरकार चलाने के लिए सहयोगियों के साथ समझौता करने के मोदी के कौशल का परीक्षण होगा। हो सकता है कि अब वह एक–पार्टी, एक–नेता वाली सरकार का नेतृत्व न करेंय यह अपने स्वयं के दबावों के साथ एक गठबंधन सरकार होगी। ये कारक तुरंत सामने आ सकते हैं या नहीं भी आ सकते हैं, लेकिन जल्द ही इनके सामने आने की संभावना है। राजनीति की यही प्रकृति है। भले ही उन्हें तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में शपथ दिलाई जाए, लेकिन कल के परिणाम के बाद मोदी एक राजनीतिक व्यक्ति के रूप में कमजोर हो गए हैं। उन्हें अपनी वैधता एक विशाल जनादेश से मिलती है, जिसका श्रेय अक्सर कई बाधाओं के बावजूद चमत्कारिक चुनावी जीत हासिल करने की उनकी क्षमता को दिया जाता है। एक बार जब वह चमक फीकी पड़ने लगती है, जैसा कि उनकी अपनी वाराणसी लोकसभा सीट पर उनकी जीत के कम अंतर से देखा जा सकता है, तो पार्टी और बड़े संघ परिवार के भीतर सवाल उठना लाजिमी है। पिछले दशक में निर्णायक जनादेश के वजन के कारण जो तनाव दब गया था, वह भड़क सकता है और अप्रिय स्थिति पैदा कर सकता है। प्रधानमंत्री के रूप में अपने तीसरे कार्यकाल में मोदी के लिए यह आसान नहीं होने वाला है। उनका प्रभामंडल कम हो गया है। जब ऐसा होता है, तो प्रभामंडल अक्सर कहावत के अनुसार फंदा बन जाता है। यह चुनाव परिणाम उनके मुस्लिम विरोधी अभियान को पूरी तरह से खारिज करता है या नहीं, यह तो आने वाले समय में पता चलेगा, लेकिन यह मोदी सरकार द्वारा अपनाई गई आर्थिक नीतियों का स्पष्ट खंडन है। उनकी आर्थिक नीतियां भारतीयों के विशाल जनसमूह, विशेष रूप से गरीबों और सामाजिक रूप से पिछड़े समूहों के लिए एक आपदा थीं। 2014 के बाद से ध ान और आय असमानता में तेजी से वृद्धि हुई है, बेरोजगारी रिकॉर्ड ऊंचाई पर है और मूल्य वृद्धि आम लोगों को नुकसान पहुंचा रही है। मीडिया में प्रकाशित कई सर्वेक्षणों में ये बातें दर्ज की गई हैं, लेकिन केंद्र सरकार ने कोई सुधारात्मक कदम नहीं उठाया है, क्योंकि उसे हिंदुओं और मुसलमानों के बीच ध्रुवीकरण करने की अपनी क्षमता के कारण चुनावों में जीत का भरोसा था। लेकिन उत्तर प्रदेश और बंगाल समेत अन्य राज्यों ने भाजपा की योजना को विफल कर दिया है। मोदी को पूंजीवाद में लिप्त और गरीबों के दर्द के प्रति असंवेदनशील देखा गया। 80 घ्करोड़ भारतीयों को पांच किलोग्राम मुफ्त राशन देने की योजना अब उपयोगी नहीं रही और लोग इसके बदले नौकरी की मांग कर रहे हैं। सैनिकों के लिए अल्पकालिक संविदा योजना अग्निपथ बेरोजगारी की चुनौती और शिकायतों को सुनने के प्रति सरकार की अनिच्छा का उदाहरण है। उत्तर भारत में युवा – खासकर निचली और मध्यम जातियों के – जो सेना के लिए पारंपरिक भर्ती मैदान बनाते हैं, ने मतदान केंद्र पर अपनी बात रखी है। बेरोजगारी एक ऐसी चुनौती है जिसका समाधान नहीं किया

दुनिया प्रमुख शक्तियों के बीच प्रतिस्पर्धा देख रही

आदित्य

चुनावों के कारण लगभग दो महीने के अंतराल के बाद जैसे–जैसे गंभीर शासन की ओर लौट रहा है, विदेश नीति के मुद्दे क्षितिज पर छाए रहेंगे। भारतीय चुनावी कैलेंडर के कारण दुनिया रुकी नहीं है। कुछ मायनों में, इसे भारत ने भी पहचाना नई दिल्ली ने ईरान में रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण चाबहार बंदरगाह को विकसित करने के लिए 10 साल के समझौते पर हस्ताक्षर किए, जबकि भारतीय नीति निर्माता पड़ोसी राज्यों का दौरा करना जारी रखते हैं। अंतरराष्ट्रीय माहौल चुनौतीपूर्ण है, दुनिया भर में कई संकट मंडरा रहे हैं। इस वैश्विक जटिलता को नेविगेट करना नई सरकार के लिए प्राथमिकता होनी चाहिए। दुनिया प्रमुख शक्तियों के बीच प्रतिस्पर्धा देख रही है। द्वितीय विश्व युद्ध के मलबे पर बनी बहुपक्षीय व्यवस्था अब इस स्थिति को संबोधित करने के लिए उपयुक्त नहीं है। वैश्विक संस्थाएँ उस समय कार्रवाई में गायब हैं, जब उनकी सबसे अधिक आवश्यकता है। कठोर शक्ति वापस आ गई है क्योंकि अंतरराष्ट्रीय राजनीति और राष्ट्र राज्यों की मुद्रा, बड़े और छोटे, परिवर्तन की तीव्रता से जूझ रहे हैं। भारतीय विदेश नीति ने ब्वटप्क–19 चंदकमउपब के बाद से अशांत अवधि को काफी प्रभावी ढंग से प्रबंधित किया है। महामारी के चलते आर्थिक तनाव जारी रहा हैरू वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं में अव्यवस्था और सामाजिक–राजनीतिक उथल–पुथल देखी गई है। भारत की आर्थिक कहानी बेहतर रही है – यह दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था है – लेकिन चुनौतियाँ अभी भी विकट हैं। भारत की बढ़ती आर्थिक ताकत ने नई दिल्ली को वैश्विक मंच पर एक नई आवाज दी है। इसका इस्तेमाल न केवल अपने नेतृत्व के लिए एक मामला बनाने के लिए किया गया है, बल्कि ग्लोबल साउथ की आवाज को बढ़ाने के लिए भी किया गया है। चीन, रूस और पश्चिम भी ग्लोबल साउथ को लुभाने की कोशिश कर रहे हैं और यह भारत के नेतृत्व की परीक्षा होगी कि वह एक ऐसे मुद्दे की वकालत को जारी रखे, जिसकी अब बहुत ज्यादा मांग है। फिर भी, यह एक ऐसा मुद्दा है जिसे छोड़ा नहीं जा सकता क्योंकि मौजूदा वैश्विक संरचनाएँ विकासशील दुनिया की जरूरतों को पूरा करने की स्थिति में नहीं हैं। भारत की नई व्यवस्था के लिए सबसे महत्वपूर्ण विदेश नीति चुनौती नई दिल्ली के प्रति चीन का विरोधी रवैया जारी रहेगा। सीमा विवाद, जो 2020 में नाटकीय रूप से बढ़ गया था, अभी भी अनसुलझा है और दोनों पक्षों की स्थिति सख्त हो गई है। दक्षिण चीन सागर, पूर्वी चीन सागर और ताइवान जलडमरूमध्य में बीजिंग की बढ़ती आक्रामकता के कारण यह संभावना नहीं है कि वह हिमालयी सीमा पर अपना रुख बदलेगा। चीन और भारत के बीच टकराव केवल सीमा को लेकर नहीं है। यह एक क्षेत्रीय और वैश्विक प्रतिस्पर्धा है जो कई तरीकों से खुद को प्रकट कर रही है – वैश्विक मंचों पर, समुद्री प्रक्षेपणों में, क्षेत्रीय धक्का–मुक्की में और साझेदारी के निर्माण में। नई दिल्ली समान

विचारधारा वाले देशों के साथ साझेदारी करके चीन के उदय को नियंत्रित करने की कोशिश कर रही है। इंडो–पैसिफिक में एक अधिक शक्तिशाली मंच के रूप में क्वाड का पुनरुत्थान इसका एक उदाहरण है। वैश्विक विखंडन के परिणामस्वरूप रूस और चीन के बीच रणनीतिक आलिंगन भी मजबूत हुआ है। अपने पश्चिम विरोधी रुख से प्रेरित होकर, बीजिंग और मॉस्को एक–दूसरे के करीब आ रहे हैं, जिससे रूस के साथ भारत के पारंपरिक संबंधों को चुनौती मिल रही है। नई दिल्ली ने रूस–यूक्रेन युद्ध को वैश्विक मानदंडों के इर्द–गिर्द अपनी प्रतिक्रिया तैयार करके और सीधे रूस को दोषी न ठहराकर प्रभावी ढंग से नेविगेट करने में कामयाबी हासिल की है, लेकिन चीन के प्रति रूस का आकर्षण एक महत्वपूर्ण मुद्दा बना रहेगा, जिस पर भारतीय नीति निर्माताओं को जवाब देना होगा। और फिर संयुक्त राज्य अमेरिका है जो अस्थिर स्थिति में है। दुनिया के अधिकांश देशों की तरह भारत भी अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों के नतीजों का इंतजार कर रहा होगा। डोनाल्ड ट्रंप की संभावित वापसी का मतलब है कि नई दिल्ली को उनकी अप्रत्याशितता के इर्द–गिर्द काम करना होगा। उनके कार्यकाल का पिछला कार्यकाल उतार–चढ़ाव भरा रहा, भले ही भारत उनके साथ काम करने का तरीका खोजने में कामयाब रहा। लेकिन पुराने ढर्रे के फिर से काम करने की संभावना नहीं है और नई दिल्ली को और अधिक उथल–पुथल से निपटने के लिए तैयार रहना चाहिए। भारत की विदेश नीति के मोर्चे पर चुनौतियों की कोई कमी नहीं है। एक कठिन वैश्विक माहौल का मतलब है कि भारतीय कूटनीति और सरकार को चुनौती का सामना करना होगा।

विकासशील दक्षिण के लिए आंकड़ों का विश्लेषण

विनोद

चीजें जितनी बदलती हैं, उतनी ही वे एक जैसी रहती हैं। यह कहावत भले ही बड़े छंजपवदंस उंदकंजम के लिए सही न हो, लेकिन दक्षिण का चुनावी परिदृश्य के बीच निरंतरता की भावना को दर्शाता है। निरंतरता और बदलाव के परस्पर प्रभाव को ध्यान में रखते हुए– 2019 की तुलना में, राज्य स्तर पर भाजपा और एनडीए, कांग्रेस और भारत के दलों के साथ–साथ अन्य क्षेत्रीय दलों के वोट शेयर और सीटों की संख्या में बदलाव हुआ है। तमिलनाडु में, जहां भाजपा ने ।ै।क्डज्ञ के बिना जाने का फैसला किया, वह एक भी सीट जीतने में विफल रही, लेकिन साथ ही, उसने अपने दम पर लगभग 11 प्रतिशत वोट हासिल किए। राज्य ने क्डज्ञ और कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंध ान को लगभग क्लीन स्वीप कर दिया। इसी तरह, पड़ोसी केरल में, जबकि भाजपा ने पहली बार एक लोकसभा सीट जीती और 2019 में अपने वोट शेयर को आंशिक रूप से 13 प्रतिशत से बढ़ाकर 2024 में लगभग 17 प्रतिशत कर दिया, कुल मिलाकर जनादेश लगभग वही रहा। कर्नाटक में इस बार मिलाजुला प्रदर्शन देखने को मिला। मई 2023 में कांग्रेस को मिले प्रचंड बहुमत की पृष्ठभूमि में, इसका प्रदर्शन उम्मीद से कम है क्योंकि इसने राज्य की 28 संसदीय सीटों में से नौ पर जीत हासिल की है। हालांकि, पार्टी के वोट शेयर में लगभग 14 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वहीं, भाजपा ने इस बार तीन कम सीटों पर चुनाव लड़ा, लेकिन आठ सीटों के नुकसान के अलावा लगभग 6 प्रतिशत वोट भी गंवाए। थोड़ा आगे बढ़ें, और भाजपा के लिए तस्वीर गुणात्मक रूप से बदल जाती है। तेलंगाना में भगवा पार्टी ने अपनी सीटों की संख्या दोगुनी कर दी, 2019 में चार से 2024 में आठ हो गई, जबकि इसका वोट शेयर 20 प्रतिशत से बढ़कर 35 प्रतिशत हो गया। कांग्रेस के लिए भी यही सच रहा। इस पुरानी पार्टी ने अपनी सीटों की संख्या तीन से बढ़ाकर आठ लोकसभा सीटें कर लीं और इसके वोट शेयर में 10 प्रतिशत की वृद्धि हुई। वहां सबसे ज्यादा नुकसान क्षेत्रीय पार्टी भारत राष्ट्र समिति को हुआ, जो एक भी सीट नहीं जीत पाई और अपने वोटों का लगभग 25 प्रतिशत खो दिया। अगर तेलंगाना में क्षेत्रीय पार्टी के चुनावी हाशिए पर जाने की बात है, तो आंध्र की कहानी दो राज्य दलों, ल्त्ै ब्वदहतमे और तेलुगु देशम पार्टी के बीच प्रतिस्पर्धा की गाथा बनी हुई है, जहाँ दो राष्ट्रीय दल, भाजपा और कांग्रेस, हाशिए पर हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में आंध्र प्रदेश की 25 सीटों में से 22 सीटें जीतने वाली वाईएसआर कांग्रेस इस बार सिर्फ चार सीटें ही जीत सकी, जबकि उसका वोट शेयर 50 प्रतिशत से गिरकर 40 प्रतिशत पर आ गया – एक बड़ी गिरावट। दूसरी ओर, टीडीपी का सत्ता से एक दशक का अंतराल समाप्त हो गया क्योंकि इसने राज्य विधानसभा चुनाव में भारी बहुमत हासिल किया, साथ ही एनडीए की सीटों की संख्या को 21 सीटों तक पहुँचाया। कुल मिलाकर, जबकि दक्षिणी राज्यों में एनडीए की सीटें 2019 में 30 सीटों से बढ़कर 2024 में 41 सीटों पर पहुँच गईं, भाजपा की कुल सीटें 29 पर ही बनी रहीं। फिर भी, भाजपा की सीटों की संख्या में स्थिरता का एक निहितार्थ भी है। अब भाजपा केवल कर्नाटक में ही नहीं, बल्कि सभी दक्षिणी राज्यों में महत्वपूर्ण उपस्थिति दर्ज करा रही है। भारत ब्लॉक के दृष्टिकोण से, दक्षिण में बहुत लाभ हुआ है। 2019 में उनकी सीटों की संख्या 58 से बढ़कर 2024 में 74 हो गईय कांग्रेस ने भी अपनी सीटों की संख्या 27 से बढ़ाकर 40 कर ली। जबकि दक्षिणी राज्यों की अपनी विशिष्टताएँ हैं, इस क्षेत्र में समग्र प्रवृत्ति अन्य क्षेत्रों में प्रवृत्तियों की पुष्टि करती है। यदि तेलंगाना और आंध्र भाजपा के पक्ष में स्विंग राज्य के रूप में उभरे, तो कर्नाटक ने पार्टी के वाहन को नुकसान पहुँचाया, और केरल और तमिलनाडु को अब भविष्य के कैचमेंट क्षेत्रों के रूप में देखा जा सकता है। इसलिए 2024 का चुनावी फैसला दक्षिण में राजनीतिक गतिशीलता में व्यापक बदलाव प्रस्तुत करता है। दो स्पष्ट रुझान हैं। पहला, तीन राज्य – कर्नाटक, केरल और तेलंगाना – क्षेत्रीय दलों की कीमत पर राष्ट्रीय दलों को पुरस्कृत कर रहे हैं। बीआरएस और जेडी(एस) की दुखद स्थिति इसका उदाहरण है। यह बदलाव दक्षिणी राज्यों के एकीकरण अभियान को भी दर्शाता है, जहाँ वे उन पार्टियों को छोड़ रहे हैं जो कभी क्षेत्रीय पहचान और हितों के समर्थक थे। हालाँकि, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु एक अलग तस्वीर पेश करते हैं जहाँ राष्ट्रीय पार्टियाँ या तो हाशिये पर हैं या प्रमुख क्षेत्रीय पार्टियों के पीछे हैं। वाईएसआर कांग्रेस और टीडीपी के बीच सत्ता में बारी–बारी से आने वाला दौर आंध्र में निकट भविष्य में जारी रहने की संभावना है। तमिलनाडु में डीएमके एक आधि ापत्य बना हुआ है जबकि एआईएडीएमके ने दिखाया है कि उसके पास अभी भी एक मजबूत वोट शेयर है। एआईएडीएमके के वोटों को अपने पाले में लाने में भाजपा की विफलता राज्य के क्षेत्रीय– पार्टी– केंद्रित चरित्र को बनाए रखती है। इसके अलावा, तमिलनाडु में भाजपा की 2024 की रणनीति, जहाँ पार्टी ने एआईएडीएमके के साथ अपना गठबंधन तोड़ने का फैसला किया, को कई लोगों ने एक साहसिक कदम माना, जो चुनावी लड़ाई को एक वैचारिक लड़ाई बनाने के उनके इरादे को दर्शाता है। 11 प्रतिशत वोट जीतकर, हालांकि पार्टी भविष्य के प्रयास के लिए प्रेरित महसूस कर सकती है, लेकिन यह फैसला तत्काल दौड़ में पार्टी के लिए चीजों को अस्पष्ट बनाता है। जबकि दक्षिणी राज्यों की अपनी अलग–अलग विशिष्टताएँ हैं, यह क्षेत्र अन्य क्षेत्रों के अव्यवस्थित ढाँचे से बहुत मेल खाता है। इसलिए, भारतीय राजनीति को उत्तर बनाम दक्षिण के द्विआधारी रूप में तैयार किया जाता है।

एग्जिट पोल की भविष्यवाणियों पर विचित्र विवाद

आसिफ

2024 के लोकसभा चुनावों के बाद कौन सत्ता में आएगा, जब बहुप्रतीक्षित नतीजों की घोषणा होगी, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी भाजपा, जो दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी है, के साथ–साथ विपक्षी दलों के भाग्य का फैसला करेंगे। लेकिन वास्तविक मतगणना से पहले, एग्जिट पोल की भविष्यवाणियों पर बहुत नाटक और विवाद देखा गया है, जिसमें श्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा के लिए भारी जीत की बात कही गई है। यह आश्चर्यजनक रूप से एक विवाद में पड़ गया है, क्योंकि विपक्ष ने निष्कर्षों को खारिज करने की कोशिश की और जोर देकर कहा कि वे सत्ता में आने की दौड़ में बहुत आगे हैं। विपक्ष द्वारा इस तरह का जवाबी हमला एक अभूतपूर्व कदम है, जिसने पूरे मामले को थोड़ा विचित्र बना दिया है। शिवसेना के संजय राउत, जो खुद एक पत्रकार हैं, ने दावा किया कि विपक्षी आई.एन.डी.आई.ए. समूह खेल में पूरी तरह से शामिल है और कुल 543 सीटों में से 295 सीटें जीत सकता है, जिसने इस बात को लेकर बहुत उत्सुकता बढ़ा दी है कि आगे क्या होने वाला है। उनका दावा आई.एन.डी.आई.ए. नेताओं की बैठक के एक दिन बाद आया। एग्जिट पोल के पूर्वानुमानों से यह स्पष्ट है कि मोदी के नेतृत्व में भाजपा, भारतीय जनता पार्टी (आई.एन.डी.आई.ए.) के मुकाबले लोकसभा की दौड़ में काफी आगे है, जिसका एक मुख्य घटक कांग्रेस है। वास्तविक संख्याएँ दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में एग्जिट पोल, चुनाव–पूर्व सर्वेक्षण और इस तरह के अभ्यासों के कारोबार पर स्वीकृतिध्अस्वीकृति की मुहर लगाएँगी। परिणाम से यह पता चलने की उम्मीद है कि मतदाताओं के दिमाग में क्या चल रहा है, प्रतिद्वंद्वी पक्षों के लिए क्या गलत हुआ और किस चीज ने उनकी मदद की। यह स्वीकार किया जाना चाहिए कि हाल ही में समाप्त हुआ अभियान प्रधानमंत्री मोदी के लिए सबसे कठिन था, जो 2002 में गुजरात के दिनों से लगातार जीत की लय में हैं। यह चुनाव इतिहास में मोदी के लिए सबसे पेचीदा चुनाव के रूप में दर्ज होगा, क्योंकि वे कई चुनावी लड़ाई के नायक हैं, जो इस बार अंधेरे में लड़ रहे थे। कई टिप्पणीकारों ने दावा किया था कि मोदी इस बार बस से चूक गए होंगे क्योंकि उन्होंने चुनावों की घोषणा में देरी की थी, जो उनके अनुसार अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन के बाद जनवरी में होनी चाहिए थी। दो महीने लंबा चुनाव कार्यक्रम भी भाजपा के लिए थोड़ा परेशानी भरा लग रहा था, जिसका उद्देश्य श्री मोदी को प्रचार के लिए अधिक समय देना था, लेकिन कथा के अभाव में यह उनके लिए बहुत थकाऊ लग रहा था। यदि एग्जिट पोल की भविष्यवाणियां सच साबित होती हैं, तो विपक्ष के लिए सबक यह है कि वे उन राज्यों में एक लड़ाकू ताकत बन सकते हैं, जहां उन्होंने कड़ी मेहनत की है और भयंकर लड़ाई में हाथ मिलाया है, और यही बात राष्ट्रीय स्तर पर भी दोहराई जानी चाहिए। एग्जिट पोल से पता चलता है कि विपक्ष महाराष्ट्र और बिहार जैसे राज्यों में बेहतर प्रदर्शन कर रहा है, क्योंकि वहां उन्होंने न केवल कड़ी मेहनत की है, बल्कि एकजुट भी हैं। इस कहानी का नैतिक यह है कि श्री मोदी अजेय नहीं हैं और यदि विपक्ष उद्देश्यपूर्ण तरीके से कार्ययोजना के साथ काम करता है और जमीन पर सक्रिय है, तो उन्हें रोका या हराया जा सकता है। उद्धव ठाकरे, शरद पवार या तेजस्वी यादव जैसे विपक्षी नेता जमीनी स्तर से जुड़े होने, प्रभावी अभियान चलाने और भाजपा के सामने आक्रामक तरीके से पीड़ित कार्ड खेलने के कारण अपनी छाप छोड़ सकते हैं। भाजपा पक्ष के लिए भी सकारात्मक पक्ष रहा है। टीना (कोई विकल्प नहीं) फैक्टर श्री मोदी के पक्ष में काम कर रहा है। इसके अलावा, श्री मोदी और अमित शाह दोनों ही चुनाव लड़ने के मामले में सख्त कार्यपालक माने जाते हैं। हालांकि, भाजपा का एक वर्ग जोर देकर कहता है कि ध्रुवीकरण के खेल में श्री मोदी माहिर हैं। उनके हिंदू–मुस्लिम बयानबाजी ने चुपचाप बहुसंख्यकों को लामबंद कर दिया है और हिंदुत्व कार्ड को कार्रवाई में देखा जाएगा। ऐसा लगता है कि हिंदुओं का एक बड़ा वर्ग जाति जनगणना के तर्क को नहीं मानता है, जो उन्हें लगता है कि अपनी समाप्ति तिथि पार कर चुका है। मोदी के प्रशंसक नहीं माने जाने वाले एक समाचार वेबसाइट के रिपोर्टर ने जोर देकर कहा कि उन्होंने अभियान के दौरान जो देखा।

आधुनिकता और विकास की अंधी दौड़– और प्रकृति से होता खिलवाड़

ललित

भारत की इस धरती पर मौजूद समस्त जीवधारियों में केवल हम मनुष्य ही है जो कि विवेकशील प्राणी कहा जाता है और हम विवेकशील ही प्रकृति के लिए असंतुलन की स्थिति उत्पन्न करते है। अपने स्वार्थ सिद्धि के लिए विकास के नाम पर प्रकृति की अनमोल धरोहर पेड़ों को काट देते हैं अपनी भूख मिटाने के लिए जानवरों को मार कर खा जाते हैं। वर्तमान पर्यावरण को अपनी सुविधा के अनुसार इस्तेमाल करना चाहते हैं। हम सबको गर्मी में नैनीताल , मसूरी और शिमला तो चाहिए पर हम दस पेड़ भी अपने पूरे जीवन में लगाकर उन्हें बड़ा नहीं करतेहै हां काट जरूर देते हैं। एक व्यक्ति की बात होती तो शायद पृथ्वी भी सब्र कर लेती यहां तो पुरी की पूरी मनुष्यता ही सिर्फ प्रकृति का दोहन करने में लगी है, दोहन कुछ अच्छा शब्द है प्रकृति को खत्म करने में लगी है ।आज हमारी प्रकृति खून के आंसू रो रही है कि काश उसने मनुष्य को विवेकशील ना बनाया होता । आज यदि आधुनिकता वैश्वीकरण और खुद को सभ्य दिखाने की होड़ में प्रकृति से खिलवाड़ ना होता तो शायद इसमें रहने वाले फल–फूल पेड़दृपौधे और जानवर सुरक्षित रहते हैं। पृथ्वी का अपना पर्यावरण तंत्र है उसी प्रकार हर देश की भूमि का अपना पर्यावरण तंत्र और सभी देशों की पारिस्थितिकी ऊर्जा ऊष्मा के अन्य कारक होते हैं सभी का अपना जीव मंडल होता है और इसमें संतुलन स्थापित करना बहुत ही आवश्यक है। 21वीं शताब्दी के चरम में पहुंचे हम मनुष्य विकास कि इस अंधी दौड़ में कोरोना जैसी महामारी के आने पर मनुष्यता को खोने के खून के आंसू रोते हैं पर हम यह भूल जाते हैं कि हमने ही यहां के पेड़ काटे ,यहां की नदियों का दोहन किया ,यहां के समुद्र को गंदा किया, यहां के हवा को प्रदूषित किया, पूरी पृथ्वी को पूरी अपने हिस्से में ई धरती को कूड़े का ढेर बना दिया। यदि आज हमारा दाम आज घुट रहा है तो इसका कारण हम स्वयं है। एक आपदा के बाद दूसरीआपदा और महामारी के आने का इंतजार करते हम मनुष्य, वाकई हम कितने ही सभ्य क्यों न हो जाए पर प्रकृति के प्रकोप के आगे सर विकास और सारी सभ्यता शून्य सिद्ध हो जाती है उसे दिन हमें यह एहसास होता है कि हम मनुष्य प्रकृति की इस सजा के काबिलऔर हकदार हैं। आज अरबों की जनसंख्या वाले इस देश में इतनी बड़ी आबादी के लिए भोजन बनाने हेतु प्रतिदिन अपेक्षित संसाधनों की व्यवस्था एवं इससे उत्पन्न सकल ऊष्मा का परिमाण ही बहुत ज्यादा है। हमें सांस लेने के लिए अपने उदर की पूर्ति के लिए अपने अंदर उर्जा के संचार के लिए कल पुर्जों बड़े–बड़े उद्योगों और मशीनों की जरूरत नहीं है हमें जरूरत है अनाज की/प्राकृतिक संसाधनों की.. जो इसी पृथ्वी के सीने को चीरकर हम प्राप्त करते हैं। जीवन को चलाने के लिए हवा की जो इसी प्रकृति में पौधों के द्वारा छोड़ी गई प्रकाश संश्लेषण की क्रिया के द्वारा ऑक्सीजन के रूप में प्राप्त करते हैं आवश्यकता है पानी की जो यही के पहाड़ों से निकली हुई नदियों झीलों और झरनों से प्राप्त होता है और यदि इससे आगे बढ़े तो इसी पृथ्वी के सीने में छेद करके अत्याध ुनिक तकनीक के द्वारा निकाला जाता है। अच्छी फसल उगाने के लिए खतरनाक खाद्य और कीटनाशकों का प्रयोग कर प्राकृतिक ऊर्जा हस्तांतरण के तंत्र को तो हमने बिगाड़ ही दिया है जैविक तंत्र आज पूरी तरह ध्वस्त होने के कगार में है। नदी, तालाब, पोखर खत्म होने को है पानी में पाई जाने वाली बायोलॉजिकल ऑक्सीजन डिमांड का उच्च स्तर है वहां पे जाने वाले जीव जंतु सांस लेने को भी तरस रहे हैं। हवा में ऑक्सीजन का स्तर लगातार कम हो रहा है क्योंकि पेड़ नहीं है और हमने हवा को प्रदूषित करने के लिए लाखों उपकरण तैयार कर रखें । हमारे देश के कई राज्य पानी की किल्लत को झेल रहे हैं यह आप सबको पता है पानी अब बोतलों में कैद हो गया है आरो के फिल्टर से छान कर हम खुद के लिए तो स्वच्छ जल उपलब्ध होने का झूठ दबा कर लेते हैं पर यही हाल रहा बढ़ती जनसंख्या का दबाव और प्राकृतिक संसाधनों में पानी की कमी इसी प्रकार जारी रही तो वह दिन भी दूर नहीं जब पानी कैप्सूल के रूप में हमें मिलेगा। जनसंख्या का बढ़ता दबाव, सीमित संसाधनों की उपलब्धता प्राकृतिक दोहन की एक सीमा आज मनुष्य को विवश करती है कि वह समझे कि यदि उसे आने वाली पीढियां के लिए हवा पानी और भजन इस प्राकृतिक से लेना है तो सस्टेनेबल डेवलपमेंट या अवधारणात्म विकास की अवध ारणा को समझना ही होगा । विकास की अंधी दौड़ को थोड़ा रुक कर ,थोड़ा भावनाओं युक्त होकर ,थोड़ा दूसरों की चिंता करके पेड़ों को मरने से बचना होगा, सबसे अहम है आज जनसंख्या नियंत्रित किया जाना अत्यंत अपरिहार्य है। आज पेड़ लगाने की बात, भाषण, कागज, सोशल मीडिया तक सिमट के रह जाती है। पर्यावरण दिवस पर यदि पेड़ लगाए भी जाते हैं तो करोड़ों की संख्या में जो सिर्फ रिकॉर्ड बनाने के लिए या आंकड़ों के लिए तो अच्छा लगता है पर उनमें से कितने पेड़ एक साल तक भी जीवित रहते हैं यह देखने वाला कोई नहीं। इतने पेड़ सोशल मीडिया और फेसबुक ट्विटर में दिखाने के लिए लगा दिए जाते हैं बहुधा तो स्थान का भी अभाव हो जाता है। आदमी कहाँ पेड़ लगाये? यह एक दिन पर्यावरण संरक्षण के नाम पर तय कर लिया जाता है ।किसी भी सरकार की वन्य जीव संरक्षण या कहें पेड़ों को बिना कटे विकास कैसे किया जाए इसकी कोई योजना नहीं है हजारों साल पुराने पेड़ सड़क के चौड़ीकरण हाईवे या विभिन्न प्रकार के रास्तों के निर्माण के लिए काट दिए जाते हैं रोज ही लाखों की संख्या में। आम आदमी को कब तक दोष दिया जाएगा दोषी तो वह नीति निर्माता है जो अरबो रुपए का बजट पर्यावरण संरक्षण के नाम पर जारी तो करते हैं पर हर वर्ष वह कितना हकीकत में खर्च होता है, जमीनी हकीकत क्या है यह आप और हम सभी जानते हैं । काश हमारी सरकारों ने कोई आध ारभूत संरचना व योजना तैयार की होती तो आज यह देश जहां मौसम की विविधता पाई जाती है सर्दी गर्मी और बरसात हर प्रकार की विविधता है प्रकृति शांति और सुकून है। आज हम कभी ज्यादा गर्मी पड़ने का डर कभी ज्यादा सर्दी पढ़ने का डर ,तो कभी ज्यादा बरसात होने का डर और इस डर का निदान सिर्फ एक है कि हमारे पास वृक्ष , पेड़ पौधों की संख्या लगातार कम होती जा रही है।

हरदोई जिले में सात लाख 69 हजार 816 राशन कार्ड धारकों को 08 जून से मिलेगा निःशुल्क राशन

हरदोई(अंबरीष कुमार सक्सेना) हरदोई जिले में सात लाख 69 हजार 816 राशनकार्ड धारकों को 08 जून से निःशुल्क राशन का वितरण किया जाएगा। कार्ड धारकों को गेहूं–चावल के साथ मोटे अनाज का भी वितरण किया जाएगा। जिला पूर्ति अधिकारी कमल नयन सिंह ने बताया कि जिले में सात लाख 69 हजार 816 राशनकार्ड धारक हैं। इनमें 31 लाख 51 हजार 920 सदस्य जुड़े हुए हैं। इनमें एक लाख 17 हजार 727 अंत्योदय राशन कार्ड धारक और छह लाख 52 हजार 89 पात्र गृहस्थी के राशनकार्ड धारक हैं। विभाग की ओर से अंत्योदय राशन कार्ड धारकों को प्रति माह प्रति कार्ड 35 किग्रा निशुल्क राशन दिया जाता है। इनमें 14 किग्रा गेहूं और 21 किग्रा चावल शामिल हैं। वहीं, पात्र गृहस्थी राशनकार्ड धारकों को प्रति यूनिट पांच किग्रा राशन दिया जाता है। इसमें दो किग्रा गेहूं और तीन किग्रा चावल शामिल है। विभाग की ओर से गेहूं चावल के साथ मोटे अनाज का भी वितरण किए जाने के निर्देश दिए गए थे, जिसके लिए राशन कोटेदारों को मोटे अनाज के रूप में ज्वार, मक्का व कोदा उपलब्ध कराया गया था। विभाग की ओर से इस माह आठ से 25 जून तक निशुल्क राशन वितरण के निर्देश दिए गए हैं। इसमें कहा गया कि जिन राशन दुकानों पर मोटा अनाज शेष है, वहां पर मोटे अनाज का भी वितरण किया जाएगा और जहां मोटा अनाज नहीं बचा है, वहां गेहूं चावल का वितरण किया जाएगा। जिला पूर्ति अधिकारी कमल नयन सिंह ने बताया कि सभी कोटेदारों को वेईंग मशीन के माध्यम से वितरण के निर्देश दिए गए हैं। इसकी सतर्कता समिति निगरानी करेगी।

पुलिस के शिथिलता के चलते शहर में आपराधिक घटनाओं में बढ़ोतरी

अयोध्या। कैंट थाना क्षेत्र में आपराधिक घटनाओं में बढ़ोतरी हुई है।जिस पर स्थानीय पुलिस अंकुश लगाने में असमर्थ दिखाई दे रही है। जिसका जीता जागता उदाहरण गुरुवार की सुबह कैंट थाना क्षेत्र के कौशलपुरी कालोनी फेस टू कालोनी मे हुई लूट की घटना की है।जो इस कालोनी में पुलिस गस्त व सुरक्षा को लेकर सवालिया निशान लगा रही है।बताते चलें कि पीड़ित मिथिलेश दूबे का परिवार मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए चार जून को लखनऊ गया हुआ था।जब उनका परिवार गुरुवार को सुबह अपने घर आया तो देखा कि ताला टूटा हुआ है।जो इधर उधर टूटकर गिरे हुए दिखाई दे रहे थे। पीड़ित मिथिलेश की माने तो इस लूट में बदमाश लगभ 9 से 10 लाख के आभूषण व 20 से 25 हजार रुपए नगदी पर उठा ले गए।जिसके चलते आस पास के इलाकों में इन लूट से लोगों मे भय दिखाई दे रहा था। वहां पर स्थानीय लोगों ने इस मामले में बताया कि अगर सुरक्षा कर्मी रात्रि गश्त करते तो इस तरह की आपराधिक घटनाओं में बढ़ोतरी नहीं होती।इन लोगों ने सीधे सीधे पुलिस कर्मियों को जिम्मेदार ठहराया।

उन्होंने बताया कि पुलिस वालों का कहना है कि आप सभी अपनी सुरक्षा स्वयं करें इसके साथ ही साथ सीसीटीवी कैमरे व सुरक्षा कर्मियों को अपने अपने आवास पर तैनात करे।इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक थाना कैंट संजय मौर्या ने बताया कि इस मामले की जानकारी उन्हें हैं, घटना स्थल पर जाकर उन्होंने खुद इस मामले की छानबीन कर रहे हैं।लूट में शामिल लुटेरों को शीघ्र ही गिरफ्तार कर लूट का खुलासा किया जायेगा।

बच्चों के विवाद में दबंगो ने पूर्व प्रधान को मारी गोली,इलाज के दौरान मौत

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव
जौनपुर। सिंगरामऊ थाना क्षेत्र के इनामीपुर ग्राम पंचायत के राजस्व गाँव रामीपुर में स्थित एक दुकान के पास बुधवार की रात को बच्चों के विबाद को लेकर एक पक्ष के मनबढ़ो ने दूसरे पक्ष के पूर्व प्रधान मुकेश तिवारी को गोली मार दी। वही मुकेश तिवारी के बाएं हाथ में व पेट में गोली लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गए। आनन–फानन में स्वजनों की मदत से उन्हें बदलापुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुचाया गया।जहा हालत गंभीर देखते हुए डाक्टर द्वारा प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। जहां हालत गंभीर देखते हुए वाराणसी ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया था।वही गुरुवार को पूर्व प्रधान की इलाज के दौरान मौत हो गई।इस मामले में पुलिस ने तीन नामजद आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

वही बुद्धवार को

जिला अस्पताल में पहुंचने पर गोली लगने से घायल सत्य प्रकाश तिवारी ने बताया कि मंगलवार की शाम को बच्चों को लेकर विवाद हुआ था जिस कारण आज मुझे तीन लोगों ने गोली मारी है पंकज तिवारी, भगवान तिवारी शिशु तिवारी तीनो लोग थे। इस मामले में घटनास्थल पर छानबीन करने पहुंचे क्षेत्राधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा ने बताया कि कल शाम को बच्चों को लेकर विवाद हुआ था। जिसमे दो परिवार सत्य प्रकाश तिवारी व दीपक तिवारी उर्फ भगवान तिवारी के बीच विवाद की स्तिथि उत्पन्न हुई थी।जिसको लेकर दीपक तिवारी ने मुकेश तिवारी पर गोली चला दी, गोली लगने के बाद तुरंत बदलापुर में प्राथमिक उपचार कराया गया, उनकी स्तिथि को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। जहां से बेहतर इलाज हेतु वाराणसी ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया था जहां गुरुवार को इलाज के दौरान पूर्व प्रधान मुकेश तिवारी की मौत हो गई।एसपी ग्रामीण शैलेन्द्र सिंह ने बताया कि परिवारजनों के द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर तीन नामजद लोगो पंकज तिवारी, भगवान तिवारी, शिशु तिवारी, को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

जेसीआई चेतना अध्यक्ष मीरा अग्रहरी ने साइक्लोथैन का करवाया आयोजन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव
जौनपुर। जेसीआई जौनपुर

चेतना द्वारा जौनपुर में साइक्लोथैन का आयोजन करवाया गया जिसमें भारी संख्या में लोग उपस्थित रहे यह ब्लॉसम केयर क्लासेस के बच्चों द्वारा किया गया। साइक्लोथैन के चीफ गेस्ट वीरेंद्र कुमार मौर्या ने हरी झंडी दिखाकर रेस को आरंभ किया। वीरेंद्र कुमार मौर्या ने यूपी, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, तमिलनाडु, केरल, कन्याकुमारी, गोवा, महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, उत्तराखंड, 12 ज्योतिर्लिंग, आदि जगहों पर साइकिल द्वारा भ्रमण किया। आपका हम सम्मान करते हैं।

साइकिल रेस में बच्चों को पहले जेसीआई का बैच लगाया गया और उन्हें दिशानिर्देश दिया गया तथा प्रथम द्वितीय और तृतीय पुरस्कार में अवार्ड देकर और मिठाई खिलाकर सम्मानित किया गया। अन्य बच्चों को सर्टिफिकेट और मेडल से सम्मानित किया गया। तथा उन बच्चों को प्रोत्साहित किया गया इस कार्यक्रम का संचालन पूनम जायसवाल ने किया इस कार्यक्रम में शक्ति श्रीवास्तव, पवन श्रीवास्तव, विकास पाल, रितिक मौर्य, कविता राव, सुजीत निषाद, शशीकांत मौर्य आदि उपस्थित रहे।

विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजनान्तर्गत प्रशिक्षण के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव
जौनपुर। उपायुक्त उद्योग, जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र अधिकरी हर्ष प्रताप सिंह ने बताया है कि उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजनान्तर्गत जनपद जौनपुर में ट्रेडवार बढई, नाई दर्जी, कुम्हार, लोहार, राजमिस्त्री एवं हलवाई आदि ट्रेडों में 10 दिवसीय प्रशिक्षण एवं टूलकिट वितरण योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2024–25 में प्रशिक्षण एवं टूलकिट प्रदान किये जाने हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किये जा रहे है। आवेदक 27 जून 2024 तक वेबसाइट कपनचउेउम.नचेकब.हवअ.पद पर आनलाइन आवेदन कर सकते है। योजना की पात्रता की शर्ते निम्नवत हैः– आवेदक का पासपोर्ट साइज फोटो, बैंक पासबुक की छायाप्रति, आधार, जाति प्रमाण पत्र (एस0सी0, ओ0बी0सी0 वर्ग के लिये), आयु प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, पढे लिखे होने पर शैक्षिक योग्यता प्रमाण पत्र, तकनीकी जानकारी रखने पर तकनीकी योग्यता प्रमाण पत्र, आवेदनकर्ता की आयु 18 वर्ष या अधिक होनी चाहिए।आवेदनकर्ता जनपद का स्थाई निवासी होना चाहिए, आवेदनकर्ता को इस आशय से कि उसने एवं उसके परिवार के किसी सदस्य ने पूर्व में किसी प्रशिक्षण योजना में टूलकिटध्मानदेय का लाभ नही लिया हो नोटरी शपथ पत्र रू० 10 के स्टाम्प पर देना होगा। अधिक जानकारी के लिये किसी भी कार्यदिवस में जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र, जौनपुर से सम्पर्क कर सकते है।

अम्बेडकर नगर जिले में एक बार फिर मानवता हुई शर्मसार

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)
अयोध्या। अयोध्या मंडल के अम्बेडकरनगर जिले के मालीपुर थाना क्षेत्र में मानवता को शर्मसार करने वाला एक मामला सामने आया है। बेटी की मौत के बाद एक पिता ने ठेले पर शव को लाद कर अपनी बेटी का अंतिम संस्कार के लिए ले जाना पड़ा। न तो शव को कंधा नसीब हुआ न ही अपनों की भीड़ साथ रही। बताते चलें कि शुक्रवार को मालीपुर चौराहे पर ठेले पर शव लाद कर एक व्यक्ति को अंतिम संस्कार के लिए ले जाते लोगों ने देखा। पूछने पर पता चला कि ठेले पर लदा शव दस साल की सोनम का है जो दो वर्षों से बीमार चल रही थी और उस की मृत्यु हो गयी। ठेला चला रहा मृतका का बड़ा पिता राम लाल है और शव पकड़ कर पीछे बैठा लड़की का पिता मुंशी लाल है। जो अपनी बेटी को अंतिम संस्कार के लिए ले जा रहे थे। साथ में न कोई रिश्तेदार न ही समाज और न ही शव को कन्धा देने वाले चार लोग। कारण बताने से पिता ने इनकार कर दिया। मगर इस तरह का दृश्य समाज के मुंह पर एक तमाचा है। ठेले पर लदा शव मालीपुर भीड़भाड़ वाले चौराहे से थाने के सामने होते हुआ गुजरा। मगर कोई चार आदमी ऐसे सामने नहीं आये जो ठेले पर रखी अर्थी को बढ़ के कन्धा दे देते। लोग दूर से तमाशबीन बने रहे। जिससे न सिर्फ मानवता को शर्मसार किया बल्कि समाजसेवा के ठेकेदारों पर भी सवाल उठाये।

शिकायत कर्ता ने सीएम सहित उच्चाधिकारियों को शिकायती पत्र देकर किया कार्यवाही की मांग

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)
अयोध्या। कोतवाली अयोध्या क्षेत्र में विवादित भूमि पर रखे गये टीन शेड रखने वाले के खिलाफ पुलिस मामले की जांच कर शिकायत कर्ता ने मुकदमा दर्ज कार्यवाही करने की मांग किया है।शिकायत कर्ता राम सजन वर्मा निवासी ग्राम जियनपुर थाना कोतवाली अयोध्या ने सीएम योगी आदित्यनाथ के अलावा डीएम,आईजी एसएसपी, राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के साथ साथ प्रभारी निरीक्षक कोतवाली अयोध्या को शिकायती पत्र के माध्यम से शिकायत किया कि उसकी विवादित भूमि राम सरन वैध के मकान बगल है। जिसपर अवैध रुप से टिन शेड ईगल दो जून की रात को अज्ञात लोगों ने मार्ग अवरूद्ध कर दिया। शिकायत कर्ता ने शिकायत पत्र के माध्यम से बताया कि उक्त विवादित भूमि राम सजन वर्मा व राम जतन वर्मा के नाम अयोध्या नगर निगम के दस्तावेज के मकान नं 11ध्7ध् 12वीं दर्ज है,जो न्यायालय में मामला विचाराधीन है।जिस पर दो जून की रात दो अज्ञात लोगों ने टीन शेड व इंगल लगा दिया है जिसके चलते रास्ता अवरूद्ध हो गया है। शिकायत कर्ता ने बताया कि इस मामले की जानकारी तहरीर के माध्यम से स्थानीय पुलिस को दिया गया।इसके अलावा ऊपर भी उच्चाधिकारियों को इस संबंध में कार्यवाही करने के लिये शिकायती पत्र दिया गया है।

भाजपा के पूर्व सांसद केपी सिंह से भी कम वोट पाये कृपाशंकर सिंह

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव
जौनपुर। 2024 के लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी बाबू सिंह कुशवाहा ने 5,09130मत प्राप्त करके अपने निकटतम प्रतिद्वंदी भाजपा की कृपा शंकर सिंह को 99,335 मतों से पराजित किया।कृपा शंकर सिंह को 4,09795 मत प्राप्त हुए। भारतीय जनता पार्टी ने जौनपुर की सीट जीतने के लिए महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्यमंत्री कृपा शंकर सिंह पर दांव लगाया था।पार्टी की नजर में वह मजबूत प्रत्याशी होंगे ,लेकिन 2019 के चुनाव में प्राप्त मतों का विश्लेषण करें तो जहां गठबंधन के उम्मीदवार श्याम सिंह यादव को 5,21,000 मत प्राप्त हुए थे। वहीं भाजपा के उम्मीदवार केपी सिंह को 4, 40,000 मत प्राप्त हुए थे। सभी राजनीतिक समीक्षक आश्चर्यचकित हैं कि आखिर क्या कारण है कि लोकसभा चुनाव 2019 में भारतीय जनता पार्टी को 4,40,000 मत जौनपुर में प्राप्त किया था उसे इस चुनाव में 4,09000 मतों से ही संतोष करना पड़ा। प्रधानमंत्री मोदी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तथा दोनों डिप्टी सीएम की सभाएं भी कृपा शंकर सिंह को चुनाव नहीं जीतवा सकी और लगभग 1 लाख वोटों से वह चुनाव हार गए। इसे भारतीय जनता पार्टी संगठन की कमजोरी मानें या विभिन्न उम्मीदवार जो टिकट चाहते थे उनकी आपसी भीतरघात मानें ! जिसके कारण भारतीय जनता पार्टी की जौनपुर में इतनी बुरी हार का सामना करना पड़ा। हालांकि कृपा शंकर सिंह जौनपुर जिले के ही निवासी हैं फिर भी जिले के नेताओं को उनके प्रत्याशी होना रास नहीं आना कई सवाल खड़ा करता है।

अग्रणी व आँचल ने पाई नीट परीक्षा में सफलता

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)
अयोध्या। जिले में दो लड़कियों अग्रणी व आँचल ने नीट परीक्षा में सफलता प्राप्त करके माता–पिता और जिले का नाम रोशन किया है। विकासखंड पूरा बाजार के रामपुर सरधा निवासी अग्रणी सिंह सूर्यवंशी ने मात्र एक वर्ष की तैयारी में ही 720 मे से 616 अंक प्राप्त किया व 62735वी रैंक लाकर सफलता प्राप्त कर लिया।

बताते चलें कि अग्रणी सिंह ने इंटरमीडिएट की परीक्षा आर्मी पब्लिक स्कूल अयोध्या से पास करके नीट की तैयारी शुरू कर दिया था।

फैजाबाद लोकसभा में सपा की जीत का कारण बना बीकापुर विधानसभा

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो
चीफ अयोध्या)
अयोध्या। फैजाबाद लोकसभा में सपा की जीत का सबसे बड़ा कारण बीकापुर विधानसभा बनी। बताते चलें कि इस विधानसभा मे सपा प्रत्याशी भाजपा से करीब 29 हजार मतों से आगे थे।वही सबसे ज्यादा चौकाने वाला परिणाम अयोध्या विधानसभा का रहा। यहां भाजपा केवल करीब साढ़े 4 हजार मतों से बढ़त ले पायी। दरियाबाद व मिल्कीपुर में योगी की रैली के बाद भी भाजपा को पराजय का मुंह देखना पड़ा। रुदौली में भाजपा का बुरा हाल रहा।मालूम हो कि भाजपा का गढ़ मानी जाती रही है।भाजपा के लल्लू सिंह यहां से पांच बार विधायक रह चुके है। 2014 व 2019 में लोकसभा चुनाव में लल्लू सिंह को अयोध्या से अच्छे मत प्राप्त हुए थे। पिछले चुनाव में दरियाबाद विधानसभा ने भाजपा प्रत्याशी को अच्छी बढ़त दिलाई थी तथा बीकापुर में भी भाजपा को अच्छी बढ़त मिली थी। लेकिन 2024 का लोकसभा चुनाव का परिणाम इसके काफी विपरीत आया। भाजपा को बीकापुर विधानसभा में बड़ी हार का सामना करना पड़ा। दरियाबाद व रुदौली में हार जीत का अंतर दस हजार से अधिक का रहा।देखा जाए तो बीकापुर विधानसभा में भाजपा प्रत्याशी सांसद लल्लू सिंह को बड़ी हार का सामना करना पड़ा। सपा प्रत्याशी अवधेश प्रसाद सोहावल विधानसभा से कई बार विधायक रह चुके है। बाद में हुए नये परिसीमन में सोहावल बीकापुर विधानसभा का हिस्सा बन गया। अवधेश प्रसाद अपने पुराने मतों को सहेजने में कामयाब हो गये। यहां 30 राउन्ड में हुई मतगणना में भाजपा को केवल चार राउन्ड में बढ़त मिल पायी। जिसमें दो राउन्ड में यह बढ़त 100 के नीचे थे। एक राउन्ड में हजार के नीचे भाजपा को यहां से बढ़त मिल पायी थी।वही लोकसभा चुनाव में भाजपा की जीत का प्रमुख आधार अयोध्या विधानसभा रही है। रामलहर के बाद हुए सभी चुनावों अयोध्या भाजपा को संजीवनी प्रदान करती रही है। लेकिन इस बार अयोध्या के मतदाता भाजपा से नाराज थे। अयोध्या में हुई 29 राउन्ड की मतगणना में केवल 16 राउन्ड में भाजपा प्रत्याशी लल्लू सिंह को जीत मिली। भाजपा ने यहां से महज 4667 मतों से बढ़त हासिल की। भाजपा प्रत्याशी लल्लू सिंह को अयोध्या विधानसभा से 104671 मत व सपा प्रत्याशी अवधेश प्रसाद को 100004 मत मिले। यहां से इतनी कम लीड की अपेक्षा राजनैतिक जानकारों को भी नहीं थी। जबकि इस बार मिल्कीपुर में सपा के मतों में बिखराव होने की अपेक्षा भाजपा कर रही थी। मिल्कीपुर पूर्व मंत्री व सपा नेता आनंदसेन यादव का गढ़ माना जाता है। इस बार उन्होंने चुनाव से दूरी बना ली थी। उनके बड़े भाई अरविंद सेन यादव चुनाव मैदान में थे। चुनाव की शुरुआत से यह माना जा रहा था कि अरविंद सेन को मिले सारे वोट समाजवादी पार्टी के होंगे। अरविंद सेन ने लोकसभा चुनाव में 15367 मत प्राप्त किए। जिसमें लोकसभा क्षेत्र की सभी विधानसभा में उन्हें मत मिले। मिल्कीपुर विधानसभा में अरविंद सेन की उतनी बढ़त नहीं रही। जितनी भाजपा अपेक्षा कर रही थी। मिल्कीपुर में हुए 30 राउन्ड में केवल सात में भाजपा ने बढ़त हासिल की। पांच राउन्ड में भाजपा की बढ़त हजार मतों के नीचे रही। यह बढ़त तीन राउन्ड में भाजपा 500 मतों से कम रही। मिल्कीपुर में भाजपा प्रत्याशी लल्लू सिंह को 88819 व सपा प्रत्याशी अवधेश प्रसाद को 95612 मत मिले। जिसमें 6793 अंतर रहा।इसी के साथ साथ भाजपा को दरियाबाद व रुदौली के मतदाताओं ने इस बार निराश किया। रुदौली में हुए 29 राउन्ड में भाजपा केवल 9 राउन्ड में आगे रही। जिसमें 6 राउन्ड में भाजपा की बढ़त हजार के नीचे व चार राउन्ड में यह बढ़त 500 के नीचे थी। यहां भाजपा प्रत्याशी को 92410 मत सपा प्रत्याशी को 104113 मत मिले। जिसमें अंतर 11703 का रहा। दरियाबाद विधानसभा में भाजपा केवल 11 राउन्ड में आगे रही। जिसमें 6 राउन्ड में भाजपा एक हजार के नीचे बढ़त हासिल कर सकी। एक राउन्ड में यह बढ़त 100 के नीचे थी। यहां भाजपा प्रत्याशी को 121183 मत व सपा प्रत्याशी को 131277 मत मिले। यहां सपा को 10094 मत भाजपा से ज्यादा मिले।

वृक्ष प्रकृति का आधार है –उर्वशी सिंह

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव
जौनपुर ।अतुल्य वेल्फेयर ट्रस्ट परिवार के सदस्यों द्वारा सरस्वती शिशु मंदिर शिवापार में वृक्षारोपण का कार्यक्रम संयोजक कनक सिंह

और वरिष्ठ पत्रकार दीपक श्रीवास्तव के अध्यक्षता में आयोजित किया गया! वहीं वृक्षारोपण कार्यक्रम के दौरान बच्चियों को तुलसी का पौधा देकर उनकों संरक्षित करके भविष्य में पौधों के महत्व समझाया गया! डॉ अंजू कन्नौजिया, ने कहा कि वृक्ष मनुष्य को प्राण वायु ऑक्सीजन मिलता है, जो की हमे जीवन देते हैं वृक्षों को लगाना ही नहीं अपितु इन्हें लगाना तथा वृक्षों को बचाए रखना समाज के हर व्यक्ति का कर्तव्य है। ट्रस्ट की अध्यक्ष उर्वशी सिँह ने कहा कि गर्मी, सर्दी, वर्षा आदि सब प्रकृति के सन्तुलन पर निर्भर करते हैं। यदि प्रकृति समृद्ध एवं सन्तुलित होगी तो पर्यावरण भी अच्छा होगा और सभी मौसम भी समयानुकूल सन्तुलित रहेंगे। यदि प्रकृति असन्तुलित होगी तो पर्यावरण भी असन्तुलित होगा और अकाल, बाढ़, भूस्खलन, भूकम्प आदि अनेक प्रकार की प्राकृतिक आपदाएं कहर ढाने लगेंगी। सरस्वती चिल्ड्रन एकेडमी के मैनेजर और डायरेक्टर, पी के श्रीवास्तव ने

कहा कि प्राकृतिक आपदाओं से बचने और पर्यावरण को शुद्ध बनाने के लिए पेड़ों का होना बहुत जरूरी है। पेड़ प्रकृति का आधार हैं। पेड़ों के बिना प्रकृति के संरक्षण एवं संवर्धन की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। इसीलिए हमारे पूर्वजों ने पेड़ों को पूरा महत्व दिया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से दीपक श्रीवास्तव, मीरा अग्रहरी, पूनम जायसवाल, प्रिंसिपल सविता श्रीवास्तव, प्रगति श्रीवास्तव, ज्ञान चंद गुप्ता, अनाया अग्रहरि बिट्टू किन्नर अंकित गुप्ता, आदित्य गुप्ता, पिन्टू गिरी, सत्यम साहू जगदीश यादव आदि लोग उपस्थित रहे।

जिले भर में वट सावित्री का त्यौहार बड़ी ही धूमधाम के साथ मनाया जा रहा है

हरदोई (अंबरीष कुमार सक्सेना) आज जिले भर में वट सावित्री का त्यौहार बड़ी ही धूमधाम के साथ मनाया जा रहा है।गुरुवार को वट सावित्री की पूजा के लिए सुबह से ही सुहागन महिलायें अपने पति की लंबी आयु के लिए वटवृक्ष की पूजा करती हैं। हरदोई में सुबह से ही बरगद के पेड़ पर सुहागिनों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया। सुहागिनों ने वट के पेड़ के नीचे बैठकर पूरे विधि विधान के साथ पूजा अर्चना की। बढ़ती आबादी के बीच आजकल वट के वृक्ष विलुप्त होते जा रहे हैं। ऐसे में जिन महिलाओं को वट के वृक्ष नहीं मिल पा रहे हैं वह बाजार से वट या बरगद की टहनी खरीद कर गमले में लगाकर उनकी पूजा अर्चना कर रही हैं।

महिलाएं वट की पूजा में अलग–अलग तरह से विधि विधान के साथ पूजा कर रही हैं। इस पूजा के पीछे ऐसी मान्यता है कि जिस प्रकार वट के पेड़ की आयु काफी लंबी होती है ऐसे में महिलाएं इस पेड़ की आयु जैसी अपने पति की आयु के लिए वट के पेड़ से प्रार्थना करती हैं। इसके पीछे पुराणों में एक कहानी भी प्रचलित है। सुबह से ही महिलाएं बिना कुछ खाए पिये इस पूजन को करती हैं। कुछ महिलाएं इस व्रत को निर्जला करती हैं। वट की पूजा करने से ऐसी मान्यता है कि जीवन की सभी प्रकार की बधाये दूर होती हैं। ऐसा कहा जाता है की वट के वृक्ष में साक्षात ईश्वर विराजमान रहते हैं।महिलाएं सुबह ही नहाकर नए वस्त्र पहन श्रृंगार करती हैं। मंदिरों में पांच तरह के फल और पकवान थाली में सजा कर पहुंची। वट वृक्ष पर पांच

या सात बार हाथ में कलावा लेकर वृक्ष को लपेटते हुए परिक्रमा की जाती है। वटवृक्ष को जल प्रदान करके रोली, चंदन, अक्षत, पुष्प से पूजा करके सत्यवान और सावित्री जी की कथा मनोयोग से सुनी और सुनाई जाती है। सुहागनें भगवान से प्रार्थना करती हैं कि उनके पति की आयु लंबी हो। वे सदैव सुखी और आनंद से रहें। पूजा के बाद खरबूजे आदि फल कन्याओं को भेंट किए जाते है। मंदिरों में भी दान–पुण्य किया जाता है। वट सावित्री की पूजा में महिलाएं बरगद के पेड़ के नीचे बैठकर पूजा करती हैं। पूजा के दौरान वट वृक्ष के साथ या 11 बार महिलाएं परिक्रमा करते हुए पेड़ के चारों ओर कच्चा सूत लपेटते हैं यदि कच्चा सूत उपलब्ध नहीं होता तो कलावा भी कुछ महिलाएं प्रयोग करती नजर आ जाती हैं। इसके बाद वट वृक्ष या बरगद के पेड़ पर महिलाएं जल चढ़ाती हैं।

कार से बकरी चोरी कर भाग रहे बदमाशों ने पशु पालक को कुचला, मौत हुई

उन्नाव, संवाददाता। उन्नाव जिले में फतेहपुर चौरासी के कोरटखेड़ा गांव में बकरी चुराकर कार से भाग रहे बदमाशों को रोकने पर उन्होंने पशुपालक पीटा। सड़क पर गिरते ही बदमाश उसे कुचलते हुए निकल गए। थाना क्षेत्र के कोरटखेड़ा गांव निवासी बाबूलाल गौतम (40) मंगलवार रात घर के बाहर सो रहे थे। पास में उनकी बकरियां बंधी थीं। रात करीब 1रू30 बजे कार सवार बकरी चोर पहुंचे और रस्सी काट कर दो बकरियों को कार में डालने लगे। खटपट सुनकर बाबूलाल की नींद खुल गई। उसने विरोध किया तो बदमाशों ने उसे पीटा। उसने कार के आगे खड़े होकर रोकने की कोशिश की तो बदमाश उसे टक्कर मारते हुए कार से कुचलते हुए भाग निकले। कार में फंस जाने से वह काफी दूर तक घिसटता चला गया। आवाज सुनकर परिजन उसे लेकर सीएचसी पहुंचे, जहां से जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। पेट, पीठ, हाथ और पैर में सात चोटें मिली हैं। थानाध्यक्ष राजेश्वर त्रिपाठी ने बताया कि बकरी चोरों के गाड़ी चढ़ाने से पशु पालक की मौत हुई है। तहरीर के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। कार सवार बदमाशों का पता लगाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

पुलिस ने तलाशे सीसीटीवी, दिखी दो कारें नहीं नजर आए नंबर

घटना के बाद जांच में जुटी पुलिस ने फतेहपुर चौरासी से शिवराजपुर जाने वाले मार्ग के साथ लवानी–झूलूमऊ मार्ग, परियर मार्ग पर लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाले हैं। इसमें लवानी मार्ग पर खून पड़ा मिला है, जबकि शिवराजपुर मार्ग पर रात करीब 1:45 बजे दो कारें दिखी हैं, लेकिन उनके नंबर साफ नजर नहीं आए हैं।

अनियंत्रित होकर पलटी कार, किशोर की मौत और चार घायल

हमीरपुर, संवाददाता। हमीरपुर जिले में जलालपुर थाना क्षेत्र के बिवांर–सरीला मार्ग कार अनियंत्रित होकर पलट गई। इसमें किशोर की मौत हो गई, जबकि दो महिलाओं सहित चार लोग घायल हो गए। घायल महिलाओं को उरई मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। सरीला कस्बा निवासी अहमद अली (50) की मंगलवार शाम बीमारी के चलते मौत हो गई थी। घटना की सूचना के बाद कानपुर के ट्रांसपोर्ट नगर में निवास कर रहे उसके पुत्र बफाती अली व इनकी भाभी फाजिमा (22) पत्नी मिसबलिक हक व उनकी साली चांदनी व साली का पुत्र जुबैद निवासी जूही नहरिया, कानपुर कार में सवार सभी लोग बुधवार सुबह सरीला कस्बे जा रहे थे।

इसी दौरान जलालपुर थाना क्षेत्र के बंगरा गांव के आगे रहटिया गांव के पास कार अनियंत्रित होकर पलट गई। गाड़ी पलटते ही चीख–पुकार मच गई। गाड़ी पलटी हुई देखकर ग्रामीण भी दौड़कर मौके पर पहुंच गए और घायलों को गाड़ी से बाहर निकाला और एम्बुलेंस की मदद से सीएचसी सरीला पहुंचाया।

एक की मौत और चार घायल

हादसे में उबैद (10) पुत्र बबलू जूही नहरिया कानपुर की मौत हो गई। वहीं, बफाती (32) पुत्र अहमद अली निवासी सरीला चांदनी (24) फाजमा (22) कार चालक इसराइल (45) पुत्र अब्दुल निवासी जूही नहरिया घायल हो हुए है।

गंभीर हालत में उरई मेडिकल कॉलेज रेफर

कार में सवार रेहाना व बबलू भी सवार थे, जिन्हें मामूली चोंटे आई हैं। घायलों में बफाती व कार चालक इसराइल को गंभीर हालत में निजी गाड़ी से जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। सीएचसी सरीला से चिकित्सकों ने चांदनी व फातिमा को उरई मेडिकल रेफर कर दिया है।

संक्षिप्त खबरें

हार्ट अटैक से सिपाही की मौत

मथुरा, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मथुरा निवासी युवक की हार्ट अटैक से इंदौर में मौत हो गई। वह मध्य प्रदेश पुलिस में तैनात था। घरवालों को जानकारी हुई तो रोना बिलखना शुरू हो गया। खबर फैली तो आसपास के लोग एकत्र हो गए। पड़ोसी व मौजूद परेशान परिजन को ढांढस बंधाते रहे। बुधवार की देर शाम तक शव पहुंचने की उम्मीद है। मामला सौंख कस्बा के सहजुआ थोक का है। यहां के रहने वाले कल्यान सिंह का बेटा विनोद कुंतल वर्ष 2016 में मध्य प्रदेश पुलिस में भर्ती हुआ था। वर्तमान में उसकी तैनाती इंदौर के रावजी बाजार थाने में थी। मंगलवार की सुबह 8 बजे उसके सीने में दर्द उठा। इस पर वह ड्यूटी से कमरे में चला गया। कमरे में अचानक तबीयत बिगड़ी तो मकान मालिक ने उसे अस्पताल पहुंचाया। शाम करीब 4.30 बजे अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। खबर आई तो घर में चीख पुकार मच गई। पत्नी निशा कुंतल, बेटे आबू और सोना का रो–रोकर बुरा हाल है। सूचना पर नगर पंचायत चेयरमैन योगेश लंबरदार व पूर्व चेयरमैन भरत सिंह ने घर पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त की।

चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी का नाले में मिला शव

आगरा, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के आगरा में मुगल रोड के पास नाले में एक युवक का शव मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करके जानकारी जुटाई। परिजन ने हत्या की आशंका जताई है। पुलिस शिकायत के आधार पर जांच कर रही है। शाहगंज थाना क्षेत्र शिवनगर निवासी अमर ने बताया कि उनका भाई रवि (30) दिल्ली गेट स्थित एक निजी अस्पताल में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी था। सोमवार सुबह 6 बजे घर से परिजन से काम पर जाने की बोलकर निकला था। शाम को करीब 5 बजे पुलिस ने फोन कर सूचना दी। रवि का शव नाले में पड़ा मिला है। परिजन ने मौके पर पहुंचकर शव की शिनाख्त की। पुलिस ने शव को कब्जे में कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे की जानकारी के बाद मां ओमवती का रो–रोकर बुरा हाल है। रवि तीन भाइयों में सबसे बड़ा था। परिजन ने हत्या की आशंका जताई है। उनका कहना है कि वह दिल्ली गेट पर काम करता था। कमला नगर कैसे और किसके साथ पहुंचा। इसकी जांच होनी चाहिए। पुलिस के अनुसार रवि के जेब से डायरी मिली थी। उसमें लिखे एक नंबर पर बात की। उसने रवि के परिजन का नंबर दिया था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद जांच कर कार्रवाई की जाएगी। परिजन ने अभी तहरीर नहीं दी है।

प्रसव के दौरान बिगड़ी प्रसूता की हालत

कासगंज, संवाददाता। उत्तर प्रदेश कासगंज में बुधवार को निजी अस्पताल में प्रसव के दौरान प्रसूता की हालत बिगड़ गई। इसके बाद डॉक्टरों ने उसे रेफर कर दिया। आगरा के हायर सेंटर ले जाते समय रास्ते में प्रसूता ने दम तोड़ दिया। खबर मिली तो घर में चीख पुकार मच गई। इसके बाद परिजन शव लेकर निजी अस्पताल पहुंच गए। वहां पर हंगामा शुरू कर दिया। उन्होंने डॉक्टर व स्टाफ पर लापरवाही का आरोप लगाया। हंगामा देख डॉक्टर व स्टाफ अस्पताल से भाग निकले। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने कार्रवाई का आश्वासन देकर लोगों को शांत किया।

मोमबत्ती से घर में लगी आग, घर का सारा सामान जला

मेरठ, संवाददाता। गांव बड़ूली में एक घर में जलती हुई मोमबत्ती के कारण आग लगने से घर में रखा लाखों रुपये का सामान जलकर बरबाद हो गया। पीड़ित ने पुलिस प्रशासन से मदद की गुहार लगाई है। पापीन पुत्र नाथीराम ने बताया कि वह अपनी पत्नी के साथ परिवार से अलग रहता है। पिछले दिनों से उसकी पत्नी रितु अपने मायके गई हुई है। उसने बताया कि सोमवार रात वह जलती हुई मोमबत्ती फ्रिज पर छोड़कर भूलवश कमरे की छत पर सोने चला गया। इसी दौरान मोमबत्ती से लगी आग ने विकराल रूप धर लिया। इससे घर में रखा फ्रिज, कूलर, वाशिंग मशीन, डबल बेड, कपड़ा आदि सभी सामान जलकर कर बरबाद हो गया। पड़ोसियों के द्वारा शोर मचाने पर उसे आग लगने का पता चला।

लोकसभा चुनाव की मतगणना खत्म, रुके पड़े विकास कार्य होंगे शुरू

शामली, संवाददाता। लोकसभा चुनाव की मतगणना खत्म हो जाने के बाद अब जिले में पीएसी कैंप, जिला न्यायालय एवं कार्यालय, जिला सेवायोजन कार्यालय, जिला उद्योग केंद्र समेत कई परियोजनाओं को धनराशि आवंटित होकर कार्य शुरू होने की उम्मीद जग गई है। जिले में कंडेला उद्योग केंद्र की धनराशि स्वीकृति हो चुकी है। लोकसभा चुनाव आचार संहिता जारी होने से कंडेला उद्योग केंद्र का निर्माण का कार्य अधर में लटका हुआ था। कैराना के ऊंचागांव में पीएसी कैंप, गुर्जरपुर में फायरिग रेंज स्थापना का कार्य अधर में लटका है। दूसरी ओर पूर्वी यमुना नहर के किनारे जिला न्यायालय एवं कार्यालय और आवासी भवनों की प्रशासकीय और वित्तीय स्वीकृति यूपी कैबिनेट की बैठक में होने की संभावना है। नवीन कलक्ट्रेट कार्यालय के निर्माण के लिए 5.50 करोड़ रुपये का रिवाइज एस्टीमेट शासन में लंबित है। जिला सेवा योजन कार्यालय के निर्माण का एस्टीमेट शासन में लंबित है।

पिता की पिटाई से आहत प्रापर्टी डीलर बेटा फंदे से लटका

कानपुर, संवाददाता। कानपुर में बर्रा विश्वबैंक में पिता की पिटाई से क्षुब्ध होकर प्रापर्टी डीलर ने फंदे से लटक कर जान दे दी। उसका शव घर के पास स्थित पार्क में फंदे से लटकता मिला। बर्रा विश्व बैंक जे ब्लॉक निवासी सेवानिवृत्त प्रतिरक्षा कर्मी राजेन्द्र तिवारी का छोटा बेटा रजनीश तिवारी (33) अपने भाइयों मनीष और मोनू के साथ मिलकर पान मसाले की दुकान चलाता था। इसके साथ ही वह प्रापर्टी डीलिंग का भी काम करता था। भाई मनीष ने बताया कि मंगलवार को वह शराब की नशे में धुत होकर घर पहुंचा। मां ने डांटा तो उसने मां पर हाथ उठा दिया।

कांटे की टक्कर के बाद राम के सिर सजा ताज, अरुण गोविल बोले- मेरठ का आभार

मेरठ, संवाददाता। मेरठ–हापुड़ लोकसभा सीट पर कड़े मुकाबले में भाजपा के अरुण गोविल ने सपा–कांग्रेस गठबंधन प्रत्याशी सुनीता वर्मा को 10585 मतों से हरा दिया। सुबह से ही इस सीट पर रोमांचक मुकाबला देखने को मिला। कभी गोविल आगे हो जाते थे तो कभी सुनीता बढ़त बना लेती थीं। आखिरी राउंड तक यह खींचतान चलती रही। जीत को लेकर ऊहापोह की स्थिति बनी रही। 34वें राउंड के बाद जीत तय हुई। 9366 मतों से अरुण गोविल ईवीएम और 1219 मतों से पोस्टल बैलेट से जीते। हालांकि शहर, दक्षिण, किठौर और हापुड़ विधानसभा क्षेत्रों से सुनीता ने बढ़त बनाई, लेकिन कैंट में गोविल ने 96113 मतों से बढ़त बनाई। चारों विधानसभाओं से पिछड़ने के अंतर को कम कर दिया। मेरठ हापुड़ लोकसभा सीट पर भाजपा के लिए सुरक्षित सीट मानी जाती है। यहां सातवीं बार भाजपा ने जीत का परचम लहराया है। पिछले चुनाव में भी बसपा के हाजी याकूब कुरैशी भाजपा के राजेंद्र अग्रवाल से 4729 वोटों से हारे थे। इस बार भी पिछले चुनाव की तरह ही कड़ा मुकाबला हुआ। सपा, कांग्रेस गठबंधन ने भाजपा को कड़ी चुनौती दी। मेरठ सीट पर इस बार बसपा प्रत्याशी देवव्रत त्यागी एक लाख का आंकड़ा भी पार नहीं कर सके और अपनी जमानत राशि भी नहीं बचा पाए।

अरुण गोविल ने किया जलाभिषेक

मेरठ–हापुड़ सीट पर जीतने के बाद भाजपा प्रत्याशी अरुण गोविल पत्नी श्रीलेखा के साथ बाबा औघड़नाथ मंदिर में दर्शन के लिए पहुंचे। यहां दुर्गा मंदिर और राधा गोविंद मंदिर में दर्शन के बाद भगवान भोलेनाथ को जलाभिषेक किया। वहीं, भाजपाइयों जीत का जश्न पूरी सादगी के साथ मनाया। उनके साथ आए विधायक अमित अग्रवाल ने कहा कि कैंट विधानसभा सीट 2014 से अब तक भाजपा के लिए बेहद उपयोगी रही है। कैंट से जो बढ़त भाजपा को मिलती है, उसे विपक्ष अन्य विधानसभाओं में भी पूरा नहीं कर पाता है। इस दौरान महानगर अध्यक्ष सुरेश जैन ऋतुराज, पूर्व सांसद राजेंद्र अग्रवाल, मंत्री डॉ. सोमेंद्र तोमर, एमएलसी धर्मेंद्र भारद्वाज, महापौर हरिकांत अहलूवालिया, कमल दत्त शर्मा, जिलाध्यक्ष शिवकुमार राणा, एमएलसी सरोजनी अग्रवाल, भाजपा नेता संजीव वालिया सहित अन्य ने अरुण गोविल को जीत की शुभकामनाएं दीं।

स्वीमिंग पूल परिसर में कारोबारी की गोली मारकर एलानिया हत्या

मेरठ, संवाददाता। मेरठ के लोहियानगर थाना क्षेत्र के जुर्रानपुर फाटक के पास स्वीमिंग पूल परिसर में मंगलवार रात कपड़ा कारोबारी अरशद की सिर में गोली मारकर एलानिया हत्या कर दी गई। दो पुत्रियों और एक पुत्र के सामने ही उन्होंने दम तोड़ दिया। घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। मौके पर पहुंचे परिजनों ने पड़ोसी युवक और उसके साथियों पर रंगदारी न देने पर हत्या का आरोप लगाकर हंगामा किया। पुलिस ने किसी तरह शांत किया और आरोपियों की तलाश में जुट गई। नौचंदी थाना क्षेत्र के जैदी फार्म निवासी हाजी अरशद पुत्र अमीर अहमद कपड़ा कारोबारी थे। मंगलवार शाम वह अपनी दो पुत्रियों आयत व कुलसुम और बेटे उमर को लोहियानगर क्षेत्र के जुर्रानपुर फाटक के पास दारा सिंह के स्वीमिंग पूल में नहलाने गए थे। यहां नहाने के बाद वे लौटने की तैयारी कर रहे थे। आरोप है कि तभी पड़ोसी बिलाल पुत्र इमरान अपने साथियों के साथ पहुंचा। बिलाल ने तमंचा सिर से सटाकर अरशद को गोली मार दी। अरशद की मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद आरोपी फरार हो गए। हत्या की सूचना पर लोहियानगर पुलिस पहुंची और परिजन भी आ गए। परिजनों ने बिलाल और उसके साथियों पर हत्या का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। उन्होंने कहा कि रंगदारी न देने पर वारदात की गई। सीओ कोतवाली आशुतोष कुमार भी मौके पर पहुंच गए। उन्होंने परिजनों को शांत कर शव पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। सीओ का कहना है कि परिजनों की तहरीर पर आरोपी बिलाल और उसके भाई दाऊद, जाहिद, असलम और इमरान के खिलाफ केस दर्ज कर आरोपियों को तलाश किया जा रहा है। जल्द ही उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा।

वारदात के बाद मची भगदड़

वारदात से पहले अरशद के बच्चे कपड़े बदल रहे थे। तीनों बच्चों के सामने ही पिता की गोली मारकर हत्या कर दी गई। गोली चलते ही मौके पर मौजूद लोगों में भगदड़ मच गई। सभी लोग बाहर की ओर भागे जबकि तीनों बच्चे पिता को लहूलुहान देखकर रोने लगे। उनकी आंखों के सामने ही पिता ने दम तोड़ दिया था। वहीं, पति की हत्या की जानकारी मिलने पर पत्नी समरीन बेसुध हो गई।

अरशद के खिलाफ दर्ज हैं 17 मुकदमे

सीओ के मुताबिक अरशद के खिलाफ लूट और चोरी के 17 मुकदमे हैं। पड़ोसी बिलाल भी अपराधी है। उसका आपराधिक इतिहास खंगाला जा रहा है।

इकरा हसन ने कैराना में भेदा भाजपा का किला

शामली, संवाददाता। सपा गठबंधन प्रत्याशी इकरा हसन ने भाजपा के प्रदीप चौधरी को हराकर हसन परिवार की पांचवीं बार कैराना लोकसभा सीट पर जीत दर्ज की है। हसन परिवार ने कैराना लोकसभा सीट भाजपा से छीनकर फिर से इतिहास रचा है। हसन परिवार के मुखिया चौधरी अख्तर हसन 1969 में वार्ड सभासद बने थे। 1971 से 1973 तक नगर पालिका के चेयरमैन रहे। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद वर्ष 1984 में गांधी परिवार के राजीव गांधी के नेतृत्व में लोकसभा चुनाव लड़ा गया। कैराना लोकसभा सीट से चौधरी अख्तर हसन को कांग्रेस की ओर प्रत्याशी बनाया गया। कांग्रेस से पहली बार चौधरी अख्तर हसन ने दमकिपा के चौधरी श्याम सिंह को हराकर जीत दर्ज की थी। बसपा सुप्रीमो मायावती वर्ष 1984 में कैराना लोकसभा चुनाव लड़ीं और हार गईं। वर्ष 1996 में हसन परिवार का दबदबा बढ़ा। सपा से कैराना लोकसभा सीट पर हसन परिवार के चौधरी मुनव्वर हसन ने भाजपा के उदयवीर सिंह पेलखा और कांग्रेस के योगेश मलिक को हराकर जीत दर्ज की थी। सांसद मुनव्वर हसन के निधन के बाद 2009 में हसन परिवार ने बसपा का दामन थामा। कैराना लोकसभा में हसन परिवार की तबस्सुम हसन ने कैराना लोकसभा सीट पर भाजपा के हुकुम सिंह को हराकर तीसरी बार हसन परिवार को विजय दिलाई थी। वर्ष 2014 में कैराना लोकसभा सीट के सांसद हुकुम सिंह के निधन के बाद वर्ष 2018 में हुए उपचुनाव में हुकुम सिंह परिवार की बेटी मृंगाका सिंह चुनाव मैदान में आईं तो हसन परिवार की तबस्सुम हसन ने भाजपा की मृंगाका सिंह को हराकर कैराना लोकसभा सीट पर चौथी बार कब्जा किया। वर्ष 2019 में भाजपा के प्रदीप चौधरी ने हसन परिवार की तबस्सुम हसन को हराकर कैराना लोकसभा सीट को भाजपा की झोली में डाल दिया था। अब वर्ष 2024 में कैराना लोकसभा सीट पर हसन परिवार की बेटी इकरा हसन सपा प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ीं। इकरा हसन ने भाजपा के प्रदीप चौधरी को हराकर कैराना सीट पर पांचवीं बार कब्जा किया है।

मात्र 27 की उम्र में बनीं सांसद

कैराना लोकसभा सीट पर सपा प्रत्याशी इकरा हसन ने भाजपा प्रत्याशी प्रदीप चौधरी को हराकर जीत दर्ज की। इकरा की उम्र सिर्फ 27 वर्ष की हैं। सपा जिलाध्यक्ष अशोक चौधरी का कहना है कि बागपत, बिजनौर, बुलंदशहर, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर और अन्य स्थानों पर जीते प्रत्याशियों की उम्र देखें तो सबसे कम उम्र इकरा की है। इकरा ने कम उम्र में सांसद बनकर सपा और कार्यकर्ताओं का नाम रोशन करने के साथ सभी की मेहनत भी सफल हो गई है।

कमल को रौंदकर दौड़ी साइकिल

बांदा, संवाददाता। बुंदेलखंड में चुनाव के चौंकाने वाले परिणाम सामने आए। किसी ने भी नहीं सोचा था कि बांदा–चित्रकूट, हमीरपुर–महोबा–तिंदवारी और जालौन–गरौंठा–भोगनीपुर संसदीय सीट पर कमल इस तरह मुरझाएगा। गठबंधन ने भाजपा के 10 वर्ष पुराने किले को ढहाकर एक्सप्रेसवे पर साइकिल को जो रफ्तार दी, वह वाकई मतदाताओं की नाराजगी को दर्शाती है। बांदा–चित्रकूट सीट पर जहां भाजपा हैट्रिक पर थी तो वहीं बाकी की दोनों सीटों पर उसके प्रत्याशियों की हैट्रिक रोककर गठबंधन ने एक बार फिर से बुंदेलखंड को अपना गढ़ बना लिया है। सबसे पहले बात करे बांदा–चित्रकूट सीट से तो यहां भाजपा से 2014 में भैरो प्रसाद चुनाव जीते थे। इसके बाद 2019 में बसपा से आए आरके सिंह पटेल को टिकट दिया तो उन्होंने भी सपा के श्यामाचरण को हराकर सीट पर कमल खिलाया था। इस बार यहां पार्टी हैट्रिक पर थी, लेकिन गठबंधन से सपा की उम्मीदवार व पूर्व जिलापंचायत अध्यक्ष कृष्णा पटेल ने उन्हें 71055 वोट से हरा दिया। इसी तरह हमीरपुर–महोबा सीट से भाजपा के प्रत्याशी पुष्पेंद्र सिंह चंदेल भी 2014 व 2019 का चुनाव जीतकर हैट्रिक पर थे, यहां भी उन्हें गठबंधन से सपा प्रत्याशी अजेंद्र सिंह ने 2630 मतों से हार का स्वाद चखाया। इसी तरह जालौन सीट पर केंद्रीय मंत्री भानुप्रताप की हैट्रिक के साथ ही प्रतिष्ठा भी दांव पर थी। मतदाताओं की नाराजगी ने उनकी प्रतिष्ठा को भी तार–तार कर दिया और गठबंधन से सपा के नारायण दास अहिरवार ने उन्हें 53898 वोटों से शिकस्त दी। भाजपा में इस बार टिकट वितरण को लेकर विरोध दिखा तो नहीं, लेकिन अंदरखाने में कहीं न कहीं ज्वालामुखी का रूप लेता रहा और चार जून फटकर सबके सामने भी आया। तीनों ही सीटों में से किसी एक में भी कोई बदलाव नहीं किया गया। भाजपा प्रत्याशी भी मोदी की गारंटी के सहारे अंतिम क्षणों तक जनता का दुख दर्द जानने के बजाय रोड शो तक ही सीमित रहे।

निर्वाचित सांसद का प्रमाण पत्र लेने कन्नौज पहुंचे अखिलेश, 15 साल बाद लौटकर लगाया जीत का चौका

कन्नौज, संवाददाता। सपा प्रमुख अखिलेश यादव कन्नौज से निर्वाचित सांसद का प्रमाण पत्र लेने पहुंचे हैं। इस दौरान शहर भर में गजह–जगह उनका जोरदार स्वागत किया गया। कलक्ट्रेट में डीएम ने अखिलेश यादव को प्रमाण पत्र सौंपा है। बता दें कि इत्रनगरी से ही सियासी कॅरियर का आगाज करके जीत की हैट्रिक लगाने वाले सपा मुखिया अखिलेश यादव 15 साल बाद फिर से इत्रनगरी से लौटे और जीत का चौका लगा डाला। पिछले चुनाव में यहां मिली हार का बदला लेते हुए रिकॉर्ड वोटों से जीत हासिल करके सपा का गढ़ भी वापस हासिल कर लिया। सपा का मुखिया बनने से पहले अखिलेश यादव ने सियासत का ककहरा इत्रनगरी की गलियों में ही सीखा था। अब से 24 साल पहले वर्ष 2000 में हुए उपचुनाव में पहली बार यहां से ताल ठोकने वाले अखिलेश यादव ने उसी चुनाव से जीत का आगाज भी कर दिया था।

2019 में हैट्रिक लगाने से चूक गई थीं डिंपल

उसके बाद वह 2004 और 2009 के चुनाव में भी लगातार जीते। इस सीट से हैट्रिक लगाने वाले वह इकलौते सांसद हैं। 2012 में सपा को जनादेश मिला तो उन्होंने मुख्यमंत्री की कुर्सी संभाली। सांसद सीट से इस्तीफा देकर पत्नी डिंपल यादव को उम्मीदवार बनाया। वह निर्विरोध ही चुनाव जीत गईं। उन्होंने 2014 में भी इस सीट पर जीत को दोहराया। हालांकि 2019 के अपने तीसरे चुनाव में वह पति अखिलेश यादव की तरह हैट्रिक लगाने से चूक गई थीं।

अखिलेश यादव ने रिकॉर्ड वोटों से हराया

उसके बाद वह मैनपुरी चली गईं और यहां अखिलेश यादव आ गए। दोनों ने जीत हासिल करके पार्टी के गढ़ को बरकरार रखा है। सियासी गलियारे में कहा जा रहा है कि अखिलेश यादव ने सुब्रत पाठक को हराकर पिछली हार का बदला भी पूरा कर लिया है। तब सुब्रत नजदीकी मुकाबले में जीते थे। अब अखिलेश यादव ने रिकॉर्ड वोटों से हराया है।

अखिलेश–सुब्रत में दूसरी टक्कर, दोनों बार हारे पाठक

कन्नौज संसदीय सीट पर अखिलेश यादव और सुब्रत पाठक के बीच यह दूसरा मुकाबला था। इसके पहले दोनों के बीच 2009 के चुनाव में मुकाबला हुआ था। सुब्रत का वह पहला चुनाव था। तब अखिलेश यादव जीते थे। सुब्रत पाठक उस चुनाव में तीसरे नंबर पर रहे थे। अब 15 साल बाद फिर से दोनों आमने–सामने आए। फिर से बाजी अखिलेश यादव के ही हाथ लगी। इस सीट से सुब्रत पाठक का यह लगातार चौथा चुनाव था, इसमें उन्हें तीसरी बार हार मिली है।

सपा को रिकॉर्ड आठवीं जीत, 1998 से शुरू हुआ जीत का सिलसिला

कन्नौज संसदीय सीट पर सपा की यह रिकॉर्ड आठवीं जीत है। सबसे पहले 1998 के चुनाव में सपा ने यहां जीत दर्ज की थी। तब प्रदीप यादव सांसद चुने गए थे। उसके बाद 1999 में सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव यहां से लड़े और जीते। उस चुनाव में संभल से भी चुनाव जीते थे। कन्नौज से उन्होंने इस्तीफा दिया और 2000 के उपचुनाव में अखिलेश यादव पहली बार जीते। 2004 और 2009 में भी अखिलेश यादव जीते। 2012 के उपचुनाव में डिंपल यादव जीतीं। वह 2014 में भी सांसद बनीं। 2019 में सपा की जीत का सिलसिला थमा। पांच साल बाद फिर से अखिलेश यादव ने यह सीट सपा की झोली में डाल दी है।

पहले तेज प्रताप को बनाया था उम्मीदवार, फिर बदला फैसला

अखिलेश यादव ने नामांकन प्रक्रिया के दौरान यहां से पहले अपने भतीजे प्रताप यादव को उम्मीदवार बनाया था। लेकिन यहां कार्यकर्ताओं से मिले फीडबैक और समर्थकों की मनुहार के बाद उन्हें अपना फैसला बदलना पड़ा। जिले भर में मची उथलपुथल ने सपा के थिंकटैंक को अपना फसला बदलने पर मजबूर कर दिया।

कानपुर व बुंदेलखंड मंडल में पूरा नहीं खिल सका कमल

कानपुर, संवाददाता। बुंदेलखंड के साथ ही कानपुर मंडल के जिलों में भी कमल की चमक फीकी पड़ गई। इस बार के चुनाव में उसकी सीटें घटकर आधी रह गईं। बीते दो चुनाव में जहां उसे सभी 11 सीटों पर विजय मिली थी वहीं इस बार वह सिर्फ पांच पर ही जीत हासिल कर सकी। उन्नाव व फर्रुखाबाद में भाजपा ने हैट्रिक लगाई, वहीं जालौन में भाजपा का किला ढह गया। मतगणना के दौरान फर्रुखाबाद में सपाइयों ने प्रदर्शन व पथराव किया, जिस पर पुलिस ने लाठीचार्ज कर उन्हें खदेड़ा। मतगणना के दौरान पूरे क्षेत्र में रोचक मुकाबला देखने को मिला। हमीरपुर सीट पर तीन हजार से भी कम वोटों से सपा प्रत्याशी ने जीत दर्ज। वहीं कन्नौज में अखिलेश यादव ने पौने दो लाख से ज्यादा मतों से भाजपा प्रत्याशी को मात दी। हमीर पुर में भाजपा कार्यकर्ताओं की मांग के बाद यहां बीस बीस बूथों की मतगणना दोबारा करानी पड़ी। महोबा के चरखारी में भी वोटों की गिनती दोबारा हुई। हालांकि रिजल्ट में कोई बदलाव नहीं हुआ। उन्नाव में साक्षी महाराज और फर्रुखाबाद में मुकेश राजपूत लगातार तीसरी बार जीत दर्ज करने में सफल है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।